लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मंगलवार, 26 अगस्त, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 46
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

अवसर और सूर्योदय में एक ही समानता है.. देर करने वाले इन्हें खो देते हैं!!

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

अखिलेश यादव का योगी सरकार पर तंज, यूपी में न्यूयॉर्क से ज्यादा शराब की दुकानें हैं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने जो स्कूल बंद किए थे वो अब तक शुरू नहीं हुए हैं। सरकार नहीं चाहती है कि लोग पढ़ाई करें। शराब की दुकानें प्रदेश में बड़ी संख्या में खोली गई हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में न्यूयॉर्क से ज्यादा शराब की दुकानें हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पीडीए पाठशाला में पढ़ाने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। पाठशाला वालों के खिलाफ तो अंग्रेजों ने भी अत्याचार नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने अच्छे दिन लाने का वादा किया था लेकिन उन्होंने पिछड़ों का हक और सम्मान तक छीन लिया। 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी आरक्षण के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।

शुभांशु शुक्ला अपने शहर लखनऊ पहुंचे, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन और भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला सोमवार को लंबे समय बाद अपने शहर लखनऊ पहुंचे हैं। वह अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के ऐतिहासिक मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद लौटे। लखनऊ एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने के लिए परिवार, छात्र और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पूरे माहौल में देशभक्ति के नारे गूंज उठे और लोगों ने तिरंगा लहराकर उनका जोरदार अभिनंदन किया। शुक्ला के स्वागत के मौके पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद

रहे। इस मौके पर पाठक ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। हमें अपने बेटे का यहां स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। शुभांशु शुक्ला ने पूरी दुनिया को एक नई राह दिखाई है और इस अवसर पर, राज्य सरकार ने उनके सम्मान में पूरे राज्य में कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

शुक्ला के कॉलेज के छात्र भी एयरपोर्ट पहुंचे और तिरंगा लहराकर उनका जोरदार स्वागत किया। छात्रों ने कहा कि वे भी शुक्ला की तरह देश का नाम रोशन करना चाहते हैं। उनके परिवार ने खुशी और गर्व जताते हुए कहा कि शुभांशु ने न सिर्फ भारत का मान बढ़ाया है बल्कि युवाओं को नई प्रेरणा और दिशा दी है। इस दौरान पूरा लखनऊ एयरपोर्ट भारत माता की जय के जोशीले नारों से गूंज उठा। शुक्ला जून में आईएसएस पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। वह 18 दिनों के मिशन के बाद 15 जुलाई को लौटे और हाल ही में 17 अगस्त को भारत वापस आए। उनके नेतृत्व में हुए एक्सिओम-4 मिशन की देशभर में सराहना की गई। इस मिशन ने भारत को भविष्य की मानव अंतरिक्ष उड़ान योजना गगनयान के लिए और मजबूत बनाया है। शुक्ला का यह योगदान भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए ऐतिहासिक और प्रेरणादायक माना जा रहा है।

संक्षेप

ईडी को देखते ही दीवार कूदकर भागे टीएमसी विधायक जीवन कृष्ण साहा

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में शिक्षक और कर्मचारियों की भर्ती घोटाले के सिलसिले में सोमवार को मुर्शिदाबाद में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक जीवन कृष्ण साहा के घर पर छापेमारी की। केंद्रीय एजेंसी की टीम को देखते ही विधायक ने दीवार फांदकर भागने की कोशिश की और अपना फोन झाड़ियों में फेंक दिया। हालांकि, टीम ने उनको दौड़कर पकड़ लिया। मामले में साहा की पत्नी से पूछताछ हो चुकी है। एजेंसियों ने साहा को दौड़ाकर पकड़ा तो उनके पास मोबाइल नहीं था। टीम ने पूछताछ की तो उन्होंने उसे झाड़ियों में फेंकने की बात कही। इसके बाद टीम ने उनको साथ लेकर झाड़ियों में तलाशी ली और फोन को ढूंढ निकाला। उनको फोन कीचड़ में सना था। टीम ने साहा के रिश्तेदारों के घर पर भी छापा मारा था। टीम वीरभूम के सैंथिया में टीएमसी पार्षद और साहा की रिश्तेदार माया साहा के आवास पर भी पहुंची थी। मुर्शिदाबाद जिले के बुरवान विधानसभा से विधायक कृष्ण साहा 2023 में भी इसी घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार हो चुके हैं। हालांकि, बाद में वे रिहा हो गए थे। उनके खिलाफ ईडी ने सोमवार को धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत छापेमारी की है। उनके कई सहयोगियों के परिसर पर भी छापा मारा गया है। राज्य में शिक्षक कर्मचारी भर्ती घोटाले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो कर रही है, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग की जांच ईडी के हवाले है।

एल्विश यादव के घर पर गोलीबारी करने वाले 2 शूटर गिरफ्तार, भाऊ गैंग से है संबंध

नईदिल्ली। जाने-माने यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव के गुरुग्राम वाले घर पर 17 अगस्त की सुबह कुछ अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस हमले की जिम्मेदारी गैंगस्टर हिमांशु भाऊ गैंग ने ली है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। बीते दिनों फरीदाबाद पुलिस ने एल्विश के घर पर फायरिंग करने वाले शूटर इशांत उर्फ इशू गांधी को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था। अब इस मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दिल्ली पुलिस ने 25 अगस्त को एल्विश के घर पर गोलीबारी करने 2 और शूटर को गिरफ्तार कर लिया है, जिनकी पहचान गौरव और आदित्य के रूप में हुई है। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि दोनों आरोपी का संबंध हिमांशु भाऊ गैंग से है, जिसे भाऊ गैंग के नाम से जाना जाता है। गौरव और आदित्य को शाहाबाद डेयरी इलाके से एक कार्रवाई के बाद गिरफ्तार किया गया। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इससे पहले पुलिस ने इस मामले में एक जतिन नाम के आरोपी किया गिरफ्तार किया था, जो 24 साल का है। आरोपी को फरीदाबाद की पर्वतीय कॉलोनी से गिरफ्तार किया गया था। आरोपी साजिश रचने और वारदात को अंजाम देने में इस्तेमाल की गई मोटर साइकिल उपलब्ध करवाने में शामिल था। जतिन ने पूछताछ में खुलासा किया कि बीते 2 महीनों से वह गुरुग्राम में बाइक के जरिए ऐप-आधारित सेवा में सवारियों को ले जाने का काम कर रहा था।

पूर्व न्यायाधीशों की अमित शाह को सीख, कहा- सलवा जुडूम फैसले की गलत व्याख्या न करें

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीशों ने एक संयुक्त बयान जारी कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। पूर्व न्यायाधीशों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के सलवा जुडूम फैसले की गलत व्याख्या न की जाए और इसको लेकर नाम-निंदा से भी बचा जाए। पूर्व न्यायाधीशों ने शाह की सार्वजनिक टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और जोर दिया कि सलवा जुडूम का फैसला, स्पष्ट या परोक्ष रूप से, नक्सलवाद या उसकी विचारधारा को समर्थन नहीं देता है।

संयुक्त बयान 18 पूर्व न्यायाधीशों वाले समूह ने की है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश रहे कुरियन जोसेफ, मदन बी लोकुर और जे चेलमेश्वर भी शामिल हैं। बयान में कहा, किसी उच्च राजनीतिक पद पर बैठे अधिकारी को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की पूर्वाग्रहपूर्ण गलत व्याख्या से सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है, जिससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता को झटका लगेगा। भारत के उपराष्ट्रपति के पद के प्रति सम्मान के कारण नाम-गाली से बचना बुद्धिमानी होगी।

बयान में कहा गया कि उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रचार अभियान वैचारिक हो सकता है, लेकिन यह शालीनता और गरिमा के साथ चल सकता है। उन्होंने सलाह दी कि किसी भी उम्मीदवार की तथाकथित विचारधारा की आलोचना से बचना चाहिए। इस बयान ने विपक्ष की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के प्रति एकजुटता प्रदर्शित की है। बयान का पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एके पटनायक, अभय ओका, गोपाल गौड़ा, विक्रमजीत सेन समेत कई ने अपना समर्थन दिया है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने शुक्रवार को केरल में कहा था, सुदर्शन रेड्डी वही व्यक्ति हैं जिन्होंने नक्सलवाद की मदद करने के लिए सलवा जुडूम पर फैसला सुनाया था। अगर सलवा जुडूम पर फैसला नहीं सुनाया गया होता, तो वामपंथी उग्रवाद 2020 तक खत्म हो गया होता। यही वो सज्जन थे, जो सलवा जुडूम पर फैसला देने वाली विचारधारा से प्रेरित थे। रेड्डी ने इसका जवाब देते हुए कहा था कि फैसला उन्होंने नहीं बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने दिया है।

संविधान संशोधन बिल पर ओवैसी ने उठाए सवाल; कहा- CBI-ED सरकार के इशारे पर कर रहीं काम, स्वतंत्रता जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने संसद में पेश संविधान (130वां संशोधन) बिल 2025 पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के अधीन जांच एजेंसियां जैसे सीबीआई और ईडी स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर रहीं। जब तक इनकी नियुक्तियां स्वतंत्र रूप से नहीं होंगी, तब तक इन पर सवाल उठते रहेंगे। ओवैसी ने कहा कि यह समस्या सिर्फ मौजूदा भाजपा सरकार की नहीं, बल्कि यूपीए के दौर में भी रही। ओवैसी ने कहा कि संविधान में स्पष्ट प्रावधान है कि भारत के राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करेंगे। लेकिन प्रस्तावित बिल कहता है कि राष्ट्रपति प्रधानमंत्री को हटा सकते हैं। उन्होंने सवाल किया कि यह कैसे संभव होगा? क्या राष्ट्रपति किसी प्रधानमंत्री से इस्तीफा ले सकते हैं? ओवैसी ने इसे संविधान के मूल अनुच्छेद से टकराने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस पर गंभीर चर्चा की जरूरत है क्योंकि यह मौलिक व्यवस्था को चुनौती देता है। ओवैसी ने कहा कि सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा नैतिकता की बात करती है तो उसे यह भी कानून बनाना चाहिए कि जो नेता भ्रष्टाचार के आरोप में पकड़े जाएं, उन्हें केंद्र की पार्टी में शामिल न किया जाए। उन्होंने कहा कि असल नैतिकता यही होगी कि कानून सब पर समान रूप से लागू हो। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों को सरकार से स्वतंत्र करना जरूरी है ताकि जनता का भरोसा बना रहे।

नोएडा दहेज हत्या मामला

पीड़िता के देवर और ससुर को गिरफ्तार किया गया

आर्यावर्त क्रांति

नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में 36 लाख रुपये के दहेज के लिए महिला निक्की (28) की जलाकर हत्या के मामले में पुलिस ने तीसरे और चौथे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपी पीड़िता का देवर रोहित भाटी है और दूसरा आरोपी पीड़िता के ससुर हैं। दोनों पिछले कई दिनों से फरार थे। पुलिस ने दोनों को सोमवार को हरियाणा में सिरसा टोल के पास एक गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ा है।

पुलिस ने एक दिन पहले ही विपिन भाटी को पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास करते समय पैर में गोली मारकर पकड़ा था। वह अस्पताल में भर्ती है। उसे 14 की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। विपिन की मां दयावती भाटी भी जेल में हैं। वह अपने घायल बेटे से मिलने के लिए ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल पहुंची थीं, तभी उन्हें गिरफ्तार किया गया। पीड़िता का देवर और ससुर फरार थे।

बुधवार 21 अगस्त को निक्की पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी गई। उसे नोएडा के फोर्टिस अस्पताल और बाद में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल लाया गया। हालांकि, उसकी मौत हो गई। इसके बाद निक्की की बहन कंचन ने पुलिस में शिकायत दी कि उनके और उसके 6 वर्षीय बेटे के सामने निक्की को उसके पति विपिन ने दहेज के कारण आग लगाई थी। शिकायत पर पुलिस ने सभी को गिरफ्तार किया है। कंचन भी उसी घर में ब्याही है। पीड़िता के परिवार ने बताया कि निक्की और विपिन की शादी 2016 में हुई थी। उस दौरान काफी दहेज मांगा गया था, जिसे पूरा किया गया। विपिन को दहेज में सोना, स्कॉर्पियो, बुलेट बाइक दी गई थी, लेकिन शादी के लगभग नौ साल बाद 36 लाख रुपये की मांग को लेकर निक्की को परेशान किया जा रहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर के खिलाफ देशद्रोह की कार्यवाही रोकी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफ देशद्रोह मामले की कार्यवाही को रोक दिया है। इससे पहले कोर्ट ने उन्हें सोशल मीडिया पर ऑनलाइन पोस्ट करने की इजाजत दे दी और मामले में जांच कर रही विशेष जांच दल को फटकार लगाई थी। प्रोफेसर खान पर ऑपरेशन सिंदूर के समय भारतीय सेना के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करने का आरोप था।

प्रोफेसर खान ने ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग के लिए कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका को भेजे जाने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा था कि अगर महिलाओं के प्रति यह बदलाव जमीनी स्तर पर नजर नहीं आता तो यह भारतीय सेना का पाखंड कहलाएगा।

रूस में भारतीय राजदूत ने कहा- जहां सबसे अच्छा सौदा, वहां से तेल खरीदेंगी भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने कहा कि भारतीय सामानों पर अमेरिकी टैरिफ के बाद भी भारत सबसे अच्छा सौदा देने वाले स्रोतों से तेल खरीदना जारी रखेगा। उन्होंने अमेरिका के टैरिफ लगाने के फैसले पर निशाना साधा, जो रूस से तेल व्यापार के कारण लगाया गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का निर्णय अनुचित, अविवेकपूर्ण और अन्यायपूर्ण है, टैरिफ वृद्धि निष्पक्ष व्यापार के सिद्धांतों को कमजोर करता है।

कुमार ने आगे कहा कि भारत का उद्देश्य 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि रूस के साथ कई अन्य देशों के साथ भारत के सहयोग से वैश्विक तेल बाजार में स्थिरता लाने में मदद मिली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा नीति, बाहरी राजनीतिक दबाव से नहीं, बल्कि अपनी जनता के लिए विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने की आवश्यकता से बनती है और सरकार राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए कदम उठाना जारी रखेगी।

कुमार ने आगे कहा कि व्यापार वाणिज्यिक आधार पर होता है और इसलिए अगर वाणिज्यिक लेन-देन व्यापार आयात का आधार सही है, तो भारतीय कंपनियां जहां भी सबसे अच्छा सौदा मिलेगा, वहां से खरीदारी जारी रखेंगी और वर्तमान स्थिति यही है। बता दें कि राजदूत से पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को अनुचित और अव्यवहारिक बताया था। उन्होंने कहा था कि भारत अपने छोटे किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा। अमेरिकी टैरिफ और प्रतिबंधों के बीच रूस ने भारत को कच्चा तेल खरीदने पर 5 प्रतिशत छूट दी है। रूसी दूतावास के प्रभारी रोमन बाबुश्किन ने पिछले दिनों कहा कि रूस ने भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति बनाए रखने के लिए एक विशेष तंत्र बनाया है, जो अपनी तेल जरूरतों का लगभग 40 प्रतिशत मास्को से 5 प्रतिशत की औसत छूट पर प्राप्त करता है।

'क्या PM और मंत्री को इस्तीफा नहीं देने चाहिए' अरविंद केजरीवाल का अमित शाह पर हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 130वें संविधान संशोधन को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। पूर्व सीएम ने कहा कि जो व्यक्ति गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों वाले व्यक्ति को पार्टी में शामिल कराकर उन्हें मंत्री, उपमुख्यमंत्री या मुख्यमंत्री बना देता हो, ऐसे व्यक्ति को कितने साल तक की सजा होनी चाहिए।

पूर्व सीएम ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए पूछा कि झूठे केस लगाने के बाद दोषमुक्त होने पर केस लगाने वाले मंत्री पर कितनी सजा होनी चाहिए। राजनीतिक षड्यंत्र के तहत झूठे केस में फंसा कर जब केंद्र ने मुझे जेल भेजा तो मैंने जेल से

160 दिन सरकार चलाई। पिछले सात महीनों में दिल्ली की बीजेपी सरकार ने दिल्ली का ऐसा हल कर दिया है कि आज दिल्ली वाले उस जेल वाली सरकार को याद कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कम से कम जेल वाली सरकार के वक्त बिजली नहीं जाती थी, पानी आता था, अस्पतालों और मोहल्ला क्लिनिक में फ्री दवाईयां मिलती थीं, फ्री टेस्ट होते थे, एक बारिश में दिल्ली का इतना बुरा हाल नहीं होता था। प्राइवेट स्कूलों को मनमानी और गुंडागर्दी करने की इजाजत नहीं थी।

अमित शाह के ऑफिस ने किया था पोस्ट

दरअसल, अरविंद केजरीवाल की ओर से यह जवाब अमित शाह ऑफिस की ओर से किए गए एक पोस्ट पर आया है। उस पोस्ट में कहा गया है कि अगर कोई पांच साल से ज्यादा सजा वाले केस में जेल जाता है और उसे 30 दिन में जमानत मिलती है तो उसे पद छोड़ना पड़ेगा। कोई छिटपुट आरोप के लिए पद नहीं छोड़ना पड़ेगा। मगर जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, या पांच साल से ज्यादा सजा के आरोप हैं, ऐसे मंत्री, सीएम या पीएम जेल में बैठकर सरकार चलाएं ये कितना उचित है?

मॉनसून सत्र के आखिरी में पेश हुआ बिला

केंद्र सरकार ने संसद के मॉनसून सत्र के आखिरी में 130वें संविधान संशोधन के लिए एक बिल पेश किया था। इस बिल का विपक्ष ने खुलकर विरोध किया और कहा कि यह एक तरह से हथियाने का रास्ता है। सरकार राज्य की विपक्षी सरकारों को परेशान करने के लिए जानबूझकर इस तरह का बिल लेकर आई है। हालांकि, इस बिल को जेपीसी के पास भेजने का फैसला किया गया है। अब जेपीसी में इस बिल पर चर्चा होगी उसके बाद उसकी रिपोर्ट संसद में पेश होगी और फिर बिल को लेकर कार्यवाही आगे बढ़ेगी।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कंटेनर ने टक्कर मारी, 8 की मौत

आर्यावर्त क्रांति

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में सोमवार तड़के बड़ा हादसा हो गया। यहां श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को कंटेनर ने टक्कर मार दी, जिससे 8 लोगों की मौत हो गई। हादसा तड़के 2:15 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर अरनिया थाना क्षेत्र के घटाल गांव के पास हुआ। हादसे में 45 लोग घायल हुए हैं, जबकि 3 की हालत गंभीर है। पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर लिया है और चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने बताया कि सभी ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार सभी श्रद्धालु कासंगज के रफायदपुर गांव के रहने वाले थे, जो राजस्थान के हनुमानगढ़ स्थित गोगामेड़ी मंदिर में एक धार्मिक कार्यक्रम में जा रहे थे। दसे के समय

वाहन पर 60 श्रद्धालु सवार थे। जैसे ट्रॉल घटाल गांव के पास पहुंची, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने उसे टक्कर मार दी। मृतकों में 2 बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को अलग-अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस आफिस में सिपाही की पत्नी ने फांसी लगाने का किया प्रयास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। एसपी ऑफिस के अंदर सिपाही की पत्नी ने फांसी लगाने की कोशिश की। महिला अपने साथ एक साल की बच्ची को लेकर पहुंची और उसे जमीन पर लिटा दिया। ऑफिस कैंपस में लगे एक पेड़ पर फंदा डालकर उसने फांसी लगाने की कोशिश की। महिला पुलिस कर्मियों ने किसी तरह उसे समझाकर वहां से उठाया।

दोपहर करीब 1 बजे सड़क पर एक सिपाही की पत्नी ने हाई वोल्टेज ड्रामा किया। पहले वह रोते हुए बीच सड़क पर बैठ गई। महिला ने गोद में एक साल की एक बच्ची को ले रखा था। उसे पुलिस कर्मी किसी तरह एसपी ऑफिस के अंदर लेकर गईं, जहां उसने आत्महत्या की कोशिश की। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने महिला एसओ

को बुलाकर महिला को उनके हवाले किया है, जो अब पूरे मामले की जांच कर रही हैं। बता दें कि बल्दीराय थाने के वल्लीपुर चौकी पर सिपाही अभिषेक यादव की तैनाती है। महिला वर्षा यादव ने बताया कि 2 साल पहले मेरी अभिषेक से शादी हुई थी। एक साल पहले मेरी एक बेटी हुई। मेरे पति का एक दूसरी लड़की से अफेयर है। इसे लेकर बहुत झगड़ा हुआ। मैंने न्याय के लिए थाने से लेकर पुलिस ऑफिस में अधिकारियों तक के काफी चक्कर काटे। जब कही पर हमारी सुनवाई नहीं हुई तो अब हमने यह कदम उठाया है। जब तक न्याय नहीं मिलेगा मैं यहां से नहीं जाऊंगी। महिला पुलिसकर्मी काफी देर तक महिला को समझाती रहीं। इसके बाद उसे लेकर ऑफिस के अंदर गईं। महिला ने बताया कि पति दूसरी लड़की के साथ रहने की जिद पर अड़ा है। मुझे साथ रखने को तैयार नहीं है न ही किसी तरह का खर्चा देता है। कई बार थाने में शिकायत की, लेकिन उसकी पुलिस में पहचान होने के बाद भी मेरी कोई सुनवाई नहीं हुई। मैं कब तक मायके में बच्ची को लेकर रहूं। मैं जब सभी तरह से हार गई तब यह कदम उठाने का सोचा है। अगर न्याय नहीं मिला तो यहीं सबके सामने फांसी लगाकर जान दे दूंगी। इसके बाद महिला ने कैंपस में लगे एक पेड़ पर दुपट्टा डालकर फांसी लगाने की कोशिश की। इस दौरान मासूम बच्ची जमीन पर पड़ी रही और लोग वीडियो बनाते दिखे। बच्ची को रोते देख महिला पुलिस कर्मी पहुंचीं। पुलिस कर्मियों ने महिला को रोका और बच्ची को गोद में उठाकर ऑफिस के अंदर ले गईं। पुलिस अधिकारियों ने महिला थाने की एसओ को बुलाकर महिला को उनके हवाले किया है। जहां वो महिला को लेकर थाने पर गई हैं। महिला एसओ ने बताया कि सिपाही को बुलाया गया है। जहां दोनों पक्ष से पूछताछ की जा रही है। महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर हंसमती ने बताया महिला की काउंसलिंग की जा रही है। उसके पति को थाने पर बुलाया गया है। समझा बुझाकर मामले को हल कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

लापता हुए छात्र को गुमशुदगी दर्ज होने के 12 घंटे के अंदर किया सकुशल बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लंभुआ/सुलतानपुर। लंभुआ थाना क्षेत्र से शनिवार को ट्यूशन पढ़ने गया कक्षा 9 वीं का छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। छात्र के पिता ने रविवार शाम बेटे के गायब होने की गुमशुदगी भी दर्ज कराई। गुमशुदगी दर्ज होने के 12 घंटे के अंदर लंभुआ पुलिस ने छात्र को ढूंढ निकाला।

लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत लंभुआ के तुलसी नगर वार्ड(शाहपुर पुरन) निवासी प्रवीण कुमार यादव उर्फ मुन्नर का 14 वर्षीय बेटा आकाश यादव 23 अगस्त 2025 को शाम करीब चार बजे हीरो स्प्लेंडर बाइक से लंभुआ कस्बे में ही ट्यूशन पढ़ने के लिए गया था। लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने सभी जगह तलाश किया,लेकिन कुछ भी पता नहीं चल सका। रविवार को देर शाम लापता छात्र के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर छात्र की गुमशुदगी दर्ज कर बरामदगी की मांग की थी। लंभुआ पुलिस इंस्पेक्टर धर्मेंद्र मिश्रा ने बच्चे की सकुशल बरामदगी के लिए रातभर पुलिस टीम को गठित कर दौड़ाए रखा। इंस्पेक्टर खुद इस केस की मॉनीटरिंग करते रहे। बच्चे की चांदा थाना क्षेत्र में लोकेशन मिलने के बाद पुलिस ने बच्चे को शकुशल बरामद कर राहत की सांस ली। पुलिस की पूछताछ में छात्र ने बताया कि पिताजी की डांट से नाराज होकर घर से बाहर चला गया था। छात्र के परिजनों को पुलिस ने सूचना देकर विधिक कार्रवाई करते हुए सकुशल बच्चे को परिजनों के सुपुर्द किया। वहीं परिजनों ने बच्चे को सकुशल पाकर पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस इंस्पेक्टर श्री मिश्रा की कुशल निर्देशन में 12 घंटे के अंदर छात्र के बरामदगी की क्षेत्र में प्रशंसा भी हो रही है।

प्रदेश अध्यक्ष का शिक्षकों ने किया भव्य स्वागत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ (संबंध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ) के प्रदेश अध्यक्ष विनय तिवारी का एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री अर्जुन सिंह के स्वागत समारोह का आयोजन जनपदीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से ब्लॉक संसाधन केंद्र धनपतगंज पर किया गया। इस अवसर पर गोंडा के जिला मंत्री उमाशंकर सिंह, तरबगंज अध्यक्ष बलवंत सिंह एवं अशोक सिंह का भी भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष बहुरावा बाजार में संगठन की पूर्व जिला उपाध्यक्ष प्रतिभा सिंह के यहां एक निजी कार्यक्रम से शामिल होने जा रहे थे। कार्यक्रम में संगठन के संरक्षक राजेंद्र प्रसाद पांडे, जिला अध्यक्ष दिनेश उपाध्याय, जिला मंत्री राम आशीष मौर्य, जिला प्रचार मंत्री अरविंद दुबे, ब्लॉक मंत्री शिव सहाय पांडेय सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे। इस दौरान शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष दिनेश चंद्रा, अटेवा के अध्यक्ष अरविंद सिंह, ब्लॉक संगठन मंत्री देवमणि यादव, रविन्द्र नाथ मिश्रा, महेश वर्मा, भानु प्रताप वर्मा, रामेश्वर पांडे, राकेश यादव, राकेश तिवारी, सहित सैकड़ों शिक्षक शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने संगठन की मजबूती और एकजुटता पर बल देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

बुलंदशहर में बड़ा सड़क हादसा, हाईवे पर कंटेनर ने ट्रॉली में मारी टक्कर, आठ की मौत और 45 घायल

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर के खुर्जा में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। नेशनल हाईवे 34 पर अरनिया इलाके के घटाल गांव के पास श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली को कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। ट्रॉली सवार श्रद्धालुओं में से आठ की मौत हो गई और 45 लोग घायल हैं। मौके पर डीएम श्रुति और एसएसपी दिनेश कुमार सिंह पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना।

जानकारी के अनुसार, बुलंदशहर के अरनिया थाना इलाके स्थित घटाल गांव के पास तेज रफ्तार कंटेनर ने ट्रैक्टर ट्रॉली में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में ट्रॉली सवार सभी श्रद्धालु इधर-उधर जा गिरे। हादसे की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस वाहन, एंबुलेंस और राहगीरों की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कैलाश अस्पताल में 29 लोग, मुनी सीएचसी में 18, दस को जटिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें कैलाश अस्पताल में चिकित्सकों ने दो बच्चे समेत छह लोगों और मुनी सीएचसी में दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। अन्य लोगों का उपचार शुरू कर दिया गया है। मृतकों में मृतक चांदनी(12), रामबेटी (62), ईपू बाबू (50), धनीराम (40), मौश्री, शिवांश (6) और अन्य है। मौके पर एसपी देहात, एसपी अपराध शंकर प्रसाद, एडीएम प्रमोद कुमार पांडेय, एसडीएम प्रतीक्षा पांडेय, सीओ पूर्णिमा सिंह समेत चार थानों का पुलिस बल मौजूद रहा। एसपी देहात डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि कासगंज जनपद के सोरो थाना क्षेत्र के रफायदपुर गांव में रहने वाले श्रद्धालु रविवार शाम छह बजे राजस्थान के हनुमान गढ़ जिले में स्थित गोगामेडी मंदिर में जात लगाने के लिए रवाना हुए थे। गांव के लगभग 60 श्रद्धालु ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार थे। घटाल गांव के पास पहुंचते ही हादसा हो गया।

देर रात हुआ हादसा

घटना को लेकर बुलंदशहर के एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात करीब 2:15 बजे अलीगढ़ बॉर्डर एनएच 34 पर एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी है। करीब 60-61 लोग ट्रैक्टर में सवार होकर कासगंज जिले से राजस्थान जा रहे थे। पीछे से तेज गति से आ रहे एक कंटेनर ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे ट्रैक्टर पलट गया और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। आठ लोगों की मौत हो गई है। 45 लोगों का अभी इलाज चल रहा है, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। बाकी सभी की हालत ठीक बताई जा रही है। तीनों अभी वेंटिलेटर पर हैं। ट्रैक्टर को मौके से हटा दिया गया है।

वालीबाल प्रतियोगिता में सुल्तानपुर टीम विजेता, अलीगंज रही उपविजेता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। कुडवार विकास खंड क्षेत्र के हकुहा खोखीपुर में एक दिवसीय वालीबाल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन हुआ। खेल भावना और जोश से भरे इस आयोजन में आसपास के कई जनपदों की नामचीन टीमों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राम शंकर यादव रहे। उन्होंने खिलाड़ियों व दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है बल्कि आपसी भाईचारे और अनुशासन की भी सीख मिलती है।प्रतियोगिता में इलाहाबाद, प्रयागराज, फैजाबाद, धरावा, खोखीपुर, अलीगंज, पिपरी, सुल्तानपुर, दाऊतपुर और हकुहा समेत करीब दो दर्जन टीमों ने हिस्सा लिया। दिनभर चले रोमांचक मुकाबलों के बाद

फाइनल मैच अलीगंज बनाम सुल्तानपुर के बीच खेला गया।इस निर्णायक मुकाबले में सुल्तानपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और विजेता बनी,जबकि अलीगंज की टीम ने कड़ा संघर्ष करते हुए उपविजेता स्थान हासिल किया।इस मौके पर समीम अहमद, अभिषेक यादव, मोहम्मद एहसान, मोहम्मद जाकिर, मोहम्मद शहरेयार, मोहम्मद तौहीद, जनकजीत, रामनारायण यादव, मोहम्मद जुबैर, कंधई यादव, वसीम अहमद और कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद शादाब सहित क्षेत्र के सैकड़ों खेल प्रेमी मौजूद रहे।

बरात से पहले दुल्हन के घर पहुंचे दंपती और मासूम के शव, पश्चिम बंगाल से आया था परिवार

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। जिंदगी कभी ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर देती है, जहां खुशियों की दहलीज पर गम का पहाड़ टूट पड़ता है। पीलीभीत के जहानाबाद क्षेत्र में शनिवार को हरिद्वार नेशनल हाईवे पर हुआ दर्दनाक हादसा एक ऐसे ही परिवार के लिए काल बन गया। अमरिया क्षेत्र के तुरकुनिया गांव में इमरान की बहन की शादी की तैयारियां पूरे शबाब पर थीं, लेकिन हादसे के बाद अब उसी घर के आंगन में तीन लोगों के शव पहुंचने से मातम पसरा हुआ है।

पश्चिम बंगाल के मदनापुर निवासी जहांगीर (40 वर्ष) अपने परिवार के साथ इमरान के घर शादी की खुशियों में शामिल होने आ रहे थे। पत्नी फरीदा और 10 वर्षीय मासूम बेटे जानेसार के साथ वह हंसी-खुशी सफर पर निकले थे, लेकिन किसे मालूम था कि घर से महज 10 किलोमीटर पहले हुई दुर्घटना उनकी जिंदगी की अंतिम

यात्रा बन जाएगी।

हादसे में पहले फरीदा और मासूम बेटे जानेसार की जान गई। इलाज के दौरान रविवार को जहांगीर ने भी दम तोड़ दिया। जिस घर में बरात की तैयारियां हो रहीं थीं, वहां अब सिसकियों और चीखें सुनाई दे रहीं हैं। शादी वाले आंगन में जहां फूलों और रोशनी से सजावट की जानी थी, वहीं तीन जनाजे रखे देख हर आंख नम दिखी।

आसपास गांव से पहुंचे लोग, हर आंख हुई नम

भीषण हादसे में मां-बेटे के साथ पिता के भी दुनिया से चले जाने की खबर फैलते ही तिरकुनिया नसीर गांव स्थित इमरान के घर पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। गांव के अलावा आसपास गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंचे। एक साथ तीनों के शवों को रखा देख हर आंख नम हो गई। घर में चीख पुकार की गूंज हर ओर सुनाई दे रही थी। गांव की गलियों में सन्नाटा पसरा रहा।

शादी के आयोजन को लेकर संशय

इमरान की बहन की सोमवार को शादी होनी थी। इस बीच भीषण हादसे में परिवार के तीन निकट रिश्तेदारों की मौत से तैयारियां थमने के साथ ही खुशियां मातम में बदल गईं हैं। सोमवार को आने वाली बरात को लेकर भी अटकलें लगाई जाने लगी हैं। शादी के आयोजन को लेकर संशय है। परिजनों के अनुसार, बड़ा आयोजन तो टल ही गया लगता है। घर में तीन शव रखे होने से चीख पुकार का माहौल है। ऐसे में अभी कुछ स्पष्ट नहीं। वहीं तीनों के शवों को लेने के लिए मृतकों के परिजनों के देर रात तक तिरकुनिया गांव पहुंचने की बात कही जा रही है।

रक्तदान करने से शरीर में किसी भी तरह की कमजोरी नहीं होती: डॉ. आरके मिश्रा

सुलतानपुर। राजयोगिनी दादी प्रकाश मणि जी की पुण्य स्मृति में विश्व का सबसे बड़ा रक्तदान शिविर ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा भारत देश में किया जा रहा है। इसी क्रम में ट्रांसपोर्ट नगर स्थित सुल्तानपुर केंद्र पर सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ रक्तदान कर सीआरपीएफ के जवानों ने किया रक्तदान करने वालों को संस्था की तरफ से प्रशस्ति पत्र सीआरपीएफ को जवानों को प्रमाण पत्र मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरके मिश्रा के द्वारा दिया गया। डॉ मिश्रा ने कहा कि रक्तदान करने से शरीर में किसी भी तरह की कोई कमी नहीं होती। सभी नवयुवकों को वर्ष में तीन बार रक्तदान करना चाहिए रक्तदान करने से हृदय रोग की बीमारी में भी कमी आती है। संस्था प्रमुख नीला जी ने कहां कि राज योगिनी दादी जी की स्मृति में पूरे देश भर में रक्तदान शिविर का आयोजन ब्रह्म कुमारी संस्था द्वारा किया जा रहा है।

यूपी का सबसे बड़ा बांध ओवरफ्लो : फिर खोले गए रिहंद बांध के पांच फाटक, छोड़ा गया 42 हजार क्यूसेक पानी

आर्यावर्त संवाददाता

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा बांध रिहंद बांध एक बार फिर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। जलस्तर 869 फीट पार करने के बाद रविवार की आधी रात को सिंचाई विभाग ने बांध के पांच फाटक खोल दिए। इससे पहले जून से हो रही लगातार बारिश के चलते जुलाई और अगस्त महीने में दो बार फाटक खोले जा चुके हैं।

इस वर्ष पहली बार 28 जुलाई को बांध के फाटक खोले गए थे और 31 जुलाई तक एक फाटक से लगातार डिस्चार्ज होता रहा। इसके बाद चार अगस्त को सात फाटक खोले गए, जिन्हें 8 अगस्त को बंद किया गया। अब तीसरी बार जलस्तर 869 फीट से ऊपर पहुंच गया, जिसके बाद रविवार की आधी रात 12 बजे पांच फाटक खोल दिए गए।

सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता राजेश शर्मा ने बताया कि रविवार की शाम से ही बांध में पानी का इनफ्लो अचानक तेज हो गया था।

रात 12 बजे तक जलस्तर 869.1 फीट पार कर गया। स्थिति को देखते हुए विभाग ने बारी-बारी से पांच फाटक खोले। उन्होंने बताया कि सभी फाटकों को 16 फीट तक खोला गया है और लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। सोमवार सुबह 8 बजे तक जलस्तर 869.1 फीट पर स्थिर रहा।

उधर, जल विद्युत निगम के अधिशासी अभियंता शशिकांत राय ने बताया कि बांध पर बनी सभी छह टरबाइन फुल लोड पर चल रही हैं। इससे लगभग 300 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि फाटक खोलने और टरबाइन से पानी छोड़ने के बाद लगभग 42 हजार क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हो रहा है। बांध से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में जल विद्युत निगम और सिंचाई विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

कानपुर को फिर मिलेगा मैनचेस्टर ऑफ ईस्ट का दर्जा, खुलेंगे रोजगार के नए द्वार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर को एक समय मैनचेस्टर ऑफ ईस्ट कहा जाता था। उसका सबसे बड़ा कारण था। यहां पर मौजूद मिलें, जो ना सिर्फ हजारों लोगों को रोजगार देती थीं बल्कि, यहां से बनने वाला सामान पूरी दुनिया में जाता था। यहां की मिलों की वजह से ही इसको मैनचेस्टर कहा जाने लगा और कानपुर न सिर्फ उत्तर प्रदेश का बल्कि पूरे देश का एक प्रमुख औद्योगिक शहर बन गया।

वैसे तो कानपुर में सबसे पहले अंग्रेजों की फौज ने अपनी छावनी बनाई थी, लेकिन उसके बाद मिलों का दौर आया, जिसने कानपुर का नाम पूरे विश्व में रोशन कर दिया। अब यही मिलें बरसों से बंद पड़ी हैं। यहां काम करने वाले ज्यादातर मजदूर कहीं और अपनी रोजी रोटी चला रहे हैं। मिलों को फिर से शुरू करने के सभी प्रयास लगभग असफल हो चुके हैं। ऐसे में इनकी जमीनें भी बिना किसी इस्तेमाल के पड़ी हैं, जिनकी

आज की कीमत खरबों में हैं।

20 साल से 11 मिलों पर लगा ताला

कानपुर में कुल 11 मिलें हैं, जो तकरीबन 20 सालों से बंद हैं। इसमें से पांच मिलें एनटीसी (राष्ट्रीय वस्त्र निगम लिमिटेड) की हैं, जबकि पांच मिलें ब्रिटिश इंडिया कॉरपोरेशन की हैं। एक मिल टेनरी और फुटवियर कॉरपोरेशन की है। जानकारों का मानना है कि इसमें से ज्यादातर मिलें अब शुरू नहीं हो सकतीं और इसका सबसे बड़ा कारण पर्यावरण और आधुनिक तकनीक है।

ये सभी मिलें शहर के बीचों बीच स्थित हैं, ऐसे में इनको चलाने से पर्यावरण पर भारी असर पड़ेगा और शहर के लोगों का जीना मुहाल हो जाएगा। इसके अलावा अब आधुनिक दौर में ज्यादा उत्पादन करने वाली छोटी और ऑटोमेटिक मशीनें आ चुकी हैं, जिसका मुकाबला यह मिलें नहीं कर पाएंगी। इन मिलों को बंद हुए तकरीबन 20 साल हो चुके हैं और इसके पीछे सबसे बड़ी वजह लालफीताशाही और यूनियनबाजी रही।

252 एकड़ जमीन में बनीं है ये मिलें

अगर इन सभी मिलों की जमीन को मिलकर देखा जाए तो तकरीबन 252 एकड़ जमीन इन मिलों के पास हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि आज यह सभी जमीन शहर के बीचों बीच हैं, जिसकी कीमत खरबों में है। एनटीसी के अधीन म्योर मिल, न्यू विक्टोरिया मिल, स्वदेशी कॉटन मिल, अथर्टन मिल, लक्ष्मी रतन कॉटन मिल हैं। इन पांचों मिलों की जमीन 6,02,231 वर्ग मीटर यानी 148 एकड़ है। साथ ही एनटीसी के पास सिविल लाइंस में बड़े कार्यालय परिसर भी हैं।

बीआइसी के पास लाल इमली, कानपुर टेक्सटाइल, एल्गिन नंबर एक, एल्गिन नंबर दो और ब्रश वेयर मिलों की कुल जमीन 3,67,127 वर्ग मीटर यानी 89।9 एकड़ है। इनसे हटकर वीआईपी रोड जैसी प्राइम लोकेशन पर टैफ्को भी है, जिसमें कभी सैनिकों के लिए जूते बनते थे। यहां की 58,270।43 वर्ग मीटर यानी 14।39 एकड़ जमीन किसी प्रयोग में नहीं आ रही है। सभी बंगले बंद पड़े हुए हैं और मिलों की हालत पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। मात्र चिमनियों को देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां पर कभी मिलें हुआ करती थीं।

मिलों को लेकर समाज में अलग-अलग राय

अब मिलें तो चल नहीं रही हैं, ऐसे में बड़ा सवाल खड़ा होता है कि आखिर इन मिलों का क्या किया जाए? क्या इनको फिर से शुरू किया जाए या फिर इन जमीनों का अलग इस्तेमाल किया जाए। अधिवक्ता विजय बक्शी ने कहा कि इन जमीनों पर आवासीय के साथ ऐसे व्यावसायिक व्यापार शुरू किए जा सकते हैं जिससे रोजगार मिले। युवा अधिवक्ता मयूरी मानती हैं कि चाहे कुछ भी हो जाए लेकिन मिलों को फिर से शुरू करना चाहिए। अगर सरकार चाहे तो सभी रास्ते निकाले जा सकते हैं। लाल इमली कर्मचारी यूनियन के नेता अजय सिंह कहते हैं कि मिलों में उत्पादन फिर से शुरू किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि प्रदूषण के लिए ईटीपी प्लांट लगाया जा सकता है। अजय सिंह ने कहा कि यहां पर उत्पादन शुरू करके देश के सैनिकों और अस्पतालों के लिए सामान बनाया जा सकता है।

युवाओं को फिर से मिलेगा रोजगार

इस संबंध में कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी से बात हुई तो उन्होंने बताया कि इस संबंध में पीएम मोदी और सीएम योगी से बात हुई है और इसका रास्ता जल्द ही निकल आएगा। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार से इस संबंध में बात हुई है। यह प्रस्ताव रखा गया है कि राज्य सरकार इन जमीनों को ले और यहां पर व्यावसायिक काम शुरू हो, जिससे युवाओं को रोजगार मिले। सांसद रमेश अवस्थी ने बताया कि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, पीएम मोदी और सीएम योगी से इस संबंध में बात की गई है। कई दौर की बैठक हो भी चुकी है। उनका पूरा प्रयास है कि जल्द से जल्द इन जमीनों पर नए व्यावसायिक उपक्रम शुरू हो सके।

उत्तर प्रदेश में गोवंश संरक्षण और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए टीम-9 का गठन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने प्रदेश की सभी गोशालाओं में गोवंश संरक्षण को सुदृढ़ बनाने और उनके अद्यतन हालात से शासन को अवगत कराने के लिए टीम-9 का गठन करने के निर्देश दिए हैं। यह टीम 1 सितम्बर से 12 सितम्बर तक प्रदेश के 18 मण्डलों में जाकर सभी गोशालाओं का निरीक्षण करेगी और अपनी तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि विशेष रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गोवंश के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। गोवंश को भीगने से बचाया जाए, उनके बैठने, चारे, भूसा, प्रकाश, पेयजल और औषधियों की पर्याप्त व्यवस्था हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी गोवंश भूखा न रहे

और उनके टीकाकरण व औषधियों की व्यवस्था पूर्ण रूप से सुनिश्चित की जाए।मंत्री ने बरेली जिले के वृहद गोसंरक्षण केंद्र अधकटा नजराना एवं मधुनगला में प्राप्त शिकायतों की भी जांच कर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोसंरक्षण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और रेडियम बेल्ट अभियान में निरंतर सक्रियता बरतनी होगी। वर्तमान में प्रदेश में 7624 गोआश्रय स्थलों में 12,36,217 गोवंश संरक्षित हैं, जबकि मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत अब तक कुल 1,77,083 गोवंश पात्र लाभार्थियों को सुपुर्द किए गए हैं।टीम-9 जनपदों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गोवंश संरक्षण से संबंधित 6 विभागों—राजस्व, पंचायतीराज, नगर विकास, ग्राम्य विकास, गृह एवं पशुपालन—की गठित समितियों के साथ बैठक आयोजित करेगी। प्रत्येक गोशाला भ्रमण के दौरान संज्ञान में आने वाले तथ्यात्मक वस्तुस्थिति की जानकारी समितियों को दी जाएगी। टीम-9 में प्रमुख सचिव पशुधन, विशेष सचिव पशुधन, निदेशक प्रशासन एवं विकास, निदेशक रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, मुख्य कार्यकारी अधिकारी दुग्ध आयुक्त, प्रबंध निदेशक पीसीडीएफ, अपर निदेशक गोधन तथा संयुक्त निदेशक प्रशासन शामिल होंगे।श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए आवश्यक है कि दुग्ध उत्पादन समितियों की संख्या बढ़ाई जाए। निष्क्रिय समितियों को सक्रिय कर संचालन सुनिश्चित किया जाए और वर्तमान में संचालित समितियां बंद न हों। किसानों एवं पशुपालकों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि नंदबाबा दुग्ध मिशन के तहत 2250 समितियों के गठन के लक्ष्य में से 1,342 समितियों का गठन पूर्ण हो चुका है और कुल 1,532 समितियां गठित की जा चुकी हैं।बैठक में दुग्ध विकास विभाग के प्रबंध निदेशक श्री वैभव श्रीवास्तव, दुग्ध आयुक्त श्री राकेश कुमार मिश्रा, पशुधन विभाग के निदेशक रोग नियंत्रण प्रक्षेत्र डा. राजीव कुमार सक्सेना सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दुबग्गा का दबंग विवेक यादव छह माह के लिए लखनऊ से जिलाबदर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कानून व्यवस्था को बनाए रखने और अपराधियों के हौसले पस्त करने के लिए पुलिस कमिश्नरेट ने कड़ी कार्रवाई की है। थाना दुबग्गा क्षेत्र के मनबढ़ और दबंग प्रवृत्ति के व्यक्ति विवेक यादव को उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम-1970 के तहत छह माह के लिए लखनऊ की सीमा से निष्कासित (जिलाबदर) करने का आदेश पारित किया गया है।यह आदेश पुलिस आयुक्त, लखनऊ की न्यायालय से वाद संख्या 153(25)/2025 की सुनवाई के बाद पारित हुआ। सुनवाई के दौरान विवेक यादव की ओर से अधिवक्ता ने अपना पक्ष रखा, किन्तु राज्य की ओर से उपस्थित संयुक्त निदेशक अभियोजन अवधेश कुमार सिंह ने विपक्षी के खिलाफ जोरदार तर्क प्रस्तुत किए। अभियोजन पक्ष ने बताया कि विवेक यादव की लगातार आपराधिक गतिविधियाँ न केवल लोकशांति के लिए खतरा हैं, बल्कि उसकी दबंगई से स्थानीय लोग भयभीत रहते हैं। अभियोजन पक्ष के तर्कों और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों को देखते हुए न्यायालय ने स्पष्ट किया कि विपक्षी को जिलाबदर करना आवश्यक है, जिससे शांति व्यवस्था बनाए रखी जा सके।विवेक यादव, जिसकी उम्र लगभग 35 वर्ष है, ग्राम टांड़ खेड़ा मजरा जेहटा, थाना दुबग्गा का निवासी है। उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। काकोरी थाने में उस पर मारपीट और धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज है। दुबग्गा थाने में उस पर हत्या के प्रयास, तोड़फोड़, धमकी और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई हुई है। इसके अलावा उस पर माल थाने में भी गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है।न्यायालय ने माना कि विवेक यादव की गतिविधियाँ जनजीवन के लिए खतरा बन चुकी हैं और वह बार-बार अपराधों में लिप्त पाया गया है। ऐसे में उसे लखनऊ की सीमा से छह माह के लिए जिलाबदर करना ही शांति व्यवस्था के लिए आवश्यक कदम है। इस आदेश के बाद पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध और दबंगई करने वालों पर अब कड़ी नजर रखी जाएगी और किसी भी तरह की मनमानी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।क्या आप चाहेंगे कि मैं इस खबर को और अधिक पत्रकारीय शैली में "पुलिस की सख्ती और स्थानीय लोगों में संदेश" वाला एंगल जोड़कर विस्तार से लिख दूँ?

आदर्श विद्यालय के प्रबंध कार्यकारणी ने अध्यक्ष समेत 15 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी के अहिमामऊ स्थित आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्रबंधन समिति का चुनाव रविवार को जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा राजकीय जुबली ईटर कॉलेज लखनऊ के प्रधानाचार्य डॉ आशुतोष कुमार सिंह की देख रेख में सम्पन्न हुआ । जिसमे निम्न पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित निर्वाचित किये गए। अध्यक्ष पद पर कु अजय कुमार त्रिपाठी, उपाध्यक्ष चंद्र कुमार द्विवेदी, प्रबंधक राजेश प्रकाश अवस्थी, उप प्रबंधक कमलेश त्रिवेदी कोषाध्यक्ष नरेश शंकर श्रीवास्तव एवं दस अन्य सदस्य निरविरोध निर्वाचित किये गए।

बीबीएयू में ' अंतरिक्ष और रक्षा अनुप्रयोगों के लिए उच्च तापमान सामग्री पर आविष्कार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में संस्थान नवाचार परिषद (Institution's Innovation Council) की ओर से सोमवार को 'अंतरिक्ष और रक्षा अनुप्रयोगों के लिए उच्च तापमान सामग्री पर आविष्कार, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी विकास' विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में सीएसआईआर-सेंट्रल इलेक्ट्रो केमिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, कारिकुडी, तमिलनाडु के सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. जी. श्रीधर उपस्थित रहे। इस अवसर पर आईआईसी, बीबीएयू के चेयरपर्सन प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा, जैव प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष डॉ. डी.आर. मोदी, प्रो. राम चन्द्रा तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. जी. सुनील बाबू सहित अनेक शिक्षण एवं शोध समुदाय के

सदस्य मौजूद रहे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। इसके पश्चात आयोजन समिति की ओर से मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।अपने संबोधन में डॉ. श्रीधर ने कहा कि आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हो रही प्रगति का प्रत्यक्ष असर भारत के अंतरिक्ष एवं रक्षा क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि इसरो के रॉकेट इंजनों में लगाए जा रहे विशेष सेंसर इंजन के भीतर प्रेशर और ईंधन प्रवाह की निगरानी कर रॉकेट की कार्यक्षमता और सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसी तरह रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा हाल ही में सफल परीक्षण की गई 'प्रलय' मिसाइल, जो 150 से 500 किलोमीटर तक की मारक क्षमता रखती है, भारत की रक्षा शक्ति को नई मजबूती प्रदान करती है।डॉ. श्रीधर ने उच्च तापमान क्षरण तकनीक, मोल्टन सॉल्ट इलेक्ट्रोलिसिस, थर्मल बैरियर कोटिंग्स, ऊर्जा भंडारण प्रणाली और हाइड्रोजन ईंधन तकनीक जैसी अनेक वैज्ञानिक उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इन शोध और नवाचारों का उद्देश्य भारत को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है।इस अवसर पर प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा ने कहा कि आविष्कार और नवाचार किसी भी राष्ट्र की असली शक्ति होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल अध्ययन तक सीमित न रहें, बल्कि शोध, प्रोजेक्ट्स और प्रयोगों में भी सक्रिय भागीदारी करें ताकि वे देश को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दे सकें।

संक्षेप

खनन कार्य मे लगे डंपरों से मिट्टी गिरी पानी गिरने से फूली मिट्टी 20 से ज्यादा बाइक सवार गिर कर हुए चोटिल

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके के रविवार की रात एचसीएल चौकी के पास लखनऊ सुल्तानपुर मार्ग के कट पर खनन कार्य मे लगे डंपरों से सड़क पर मिट्टी गिरने के बाद हुई बारिश से मिट्टी से गिरने से बाइक सवार फिसल कर गिर रहे है। रात आठ बजे से 10 बजे के बीच दो घंटे में करीब 20 से अधिक बाइक सवार फिसल कर गिर गए। एनएचएआई व स्थानीय पुलिस की लापरवाही के कारण बाइक सवार फिसल पर सड़क पर गिरते है उसी दौरान एक राष्ट्रीय चैनल के वीडियो जनर्लिष्ट उपेन्द्र यादव भी सड़क पर गिरी मिट्टी में फिसल कर गिर गए। जिन्हें चोटे आई है। स्थनीय लोग बताते है कि दिन हो चाहे रात खनन के नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए सड़क पर दौड़ते रहते है। खनन कार्य मे लगे डंपरों पर न तो तिरपाल डालते है न ही पानी, सड़क पर दौड़ते खुले डंपरों से गिरने वाली मिट्टी से सबसे ज्यादा बाइक सवार शिकार हो रहे है।

डॉग बाइट की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए लखनऊ नगर निगम ने जारी की एडवाइजरी, श्वानों के रीलोकेशन पर पूरी तरह प्रतिबंध

लखनऊ। माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा श्वान संबंधी आदेशों के अनुपालन और भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय द्वारा जारी पशु जन्म नियंत्रण नियम 2023 (Animal Birth Control Rules 2023) के अंतर्गत लखनऊ नगर निगम ने शहरवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि यह कदम विशेष रूप से कुत्तों द्वारा काटने की घटनाओं को रोकने और शहर में श्वानों के बेहतर प्रबंधन के उद्देश्य से उठाया गया है एडवाइजरी में कहा गया है कि सभी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन को स्थानीय नागरिकों और फीडर्स के सहयोग से ऐसे स्थान चिह्नित करने होंगे जिन्हें फीडिंग स्पॉट बनाया जाएगा। इन स्थानों का चयन इस प्रकार किया जाए कि बच्चों और बुजुर्गों की आवाजाही वहाँ कम हो तथा यह स्थान प्रवेश और निकास द्वार के समीप न हों। फीडिंग का समय भी निश्चित रखा जाएगा, ताकि श्वानों को व्यवस्थित ढंग से भोजन उपलब्ध कराया जा सके।नगर निगम ने यह भी कहा है कि इन क्षेत्रों में रहने वाले श्वानों की नसबंदी और एंटी-रेबीज़ वैक्सीनेशन सुनिश्चित करने में फीडर्स आवश्यकतानुसार सहयोग प्रदान करें। साथ ही नगर निगम ने सभी पालतू कुत्ता पालकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर अपने पालतू डॉग्स को पट्टे (लीश) के साथ ही घुमाएँ। इसके अतिरिक्त प्रत्येक पालतू श्वान का पंजीकरण अनिवार्य है, जिसके लिए नगर निगम की वेबसाइट lmc.up.nic.in पर ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई गई है।नगर निगम ने एडवाइजरी में यह भी स्पष्ट किया है कि शहर में श्वानों का स्थानांतरण या रीलोकेशन पूरी तरह प्रतिबंधित है। अधिकारियों के अनुसार यह कदम इंसानों और जानवरों के बीच सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करेगा और डॉग बाइट की घटनाओं पर रोक लगाने में सहायक सिद्ध होगा।

लखनऊ ने किया अपने वीर पुत्र का भव्य स्वागत, अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के आगमन पर उमड़ा जनसैलाब

लखनऊ। राजधानी लखनऊ सोमवार को इतिहास रचते हुए अपने वीर पुत्र और गौरव, भारतीय वायु सेना के जांबाज़ ग्रुप कैप्टन एवं अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के स्वागत का साक्षी बनी। नगर निगम की ओर से आयोजित इस भव्य आयोजन में पूरा शहर गर्व और उल्लास से झूम उठा। एयरपोर्ट से लेकर शहर की गलियों तक 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' के नारों से गगन गूंज उठा और लोगों ने फूलों की वर्षा कर अपने अंतरिक्ष यात्री का अभिनंदन किया।लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल स्वयं एयरपोर्ट पहुंचीं और परिवार सहित उनका आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन लखनऊ के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। एक्सिओम मिशन-4 में मिशन पायलट के रूप में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर तिरंगा फहराकर शुभांशु शुक्ला ने भारत ही नहीं, अपने गृहनगर लखनऊ का भी

मड़ियांव पुलिस और अपराध शाखा की संयुक्त कार्रवाई : तीन शातिर चोर गिरफ्तार, बड़े पैमाने पर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए मड़ियांव थाना क्षेत्र और अपराध शाखा की संयुक्त टीम ने तीन शातिर और वांछित चोरों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में सफेद और पीली धातु के आभूषण, नगद 35,000 रुपये और घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा बरामद किया गया।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रहीमुद्दीन पुत्र शमसुद्दीन (23 वर्ष), मोईनुद्दीन पुत्र शमसुद्दीन (28 वर्ष) और वीरेन्द्र सोनी पुत्र रामकुमार सोनी (22 वर्ष) के रूप में हुई है। ये सभी अभियुक्त बंद मकानों और ज्वैलर्स की दुकानों में चोरी करने और चोरी का सामान बेचकर जीवन यापन करने के मामले में लंबे समय से वांछित थे।मड़ियांव थाना पुलिस को मुखबिर खास से सूचना मिली कि कुछ लोग चोरी के सामान के साथ मड़ियांव पुल के नीचे रेलवे लाइन के किनारे आटो रिक्शा में बैठे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों अभियुक्तों को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उनके कब्जे से 07 जोड़ी बिछिया, 02 जोड़ी बच्चों के हाथ का कड़ा, 05 जोड़ी पैरों के पायल, 10 अंगूठियां, 03 नाक की कील, 03 चैन, पीली धातु का टुकड़ा 19.74 ग्राम और 35,000 रुपये नगद बरामद हुए। इसके अलावा ई-रिक्शा UP32XN1090 को भी सीज किया गया।पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों के खिलाफ थाना स्थानीय में मुकदमे संख्या 464/25, 474/25 और 65/25 बीएनएसएस दर्ज हैं। उन्हें उनके अपराधों और धाराओं 305(A)/331(4)/331(3)/317(2)/317(4) बीएनएसएस के तहत हिरासत में लिया गया है। विधिक कार्यवाही पूर्ण कर उन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।इस कार्रवाई में अपराध शाखा की टीम और मड़ियांव थाना की टीम ने रणनीतिक निगरानी और व्यापक छानबीन के बाद अभियुक्तों को धर दबोचा। अपराध शाखा की टीम में उपनिरीक्षक आशुतोष पांडेय, प्रकाश सिंह, मुहम्मद असलम, अतुल कुमार पांडेय, इंद्रप्रताप सिंह, मनोज कुमार शुक्ला, हबीब खान, अमित कुशवाहा, दिलीप कुमार, जीत सिंह, धीरज और पवन, तथा कांस्टेबल देशराज मुखिया और नाहर सिंह शामिल थे। वहीं, मड़ियांव थाना की टीम में उपनिरीक्षक अशोक कुमार सिंह, भूपेन्द्र सिंह, अमित कुमार साहू, जोशी रघुवंशी, आकाश सिंह, दुर्गेश सिंह, गौरव कुमार सिंह, कमलेश कुमार वर्मा, सौरभ यादव और अखिलेश वर्मा ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जमीन खाली करने पहुंचे नगर निगम लखनऊ के तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव ने किस को मारा थप्पड़

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम जोन-4 की टीम बंजर जमीन खाली कराने गई, जिस पर किसान राममिलन (निवासी मिर्जापुर) का तीन पीढ़ियों से कब्जा बताया जा रहा है। किसान के पास नवाबों के समय के कागजात भी मौजूद बताए जा रहे हैं। टीम में नायब तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव, लेखपाल सुभाष कौशल, HCL चौकी प्रभारी हिमांशु तिवारी, सिपाही आनंद कुमार यादव सहित अन्य लोग शामिल थे।

किसान राममिलन ने अधिकारियों से कहा कि बरसात का समय है, मेरे जानवरों का भूसा इस जमीन पर रखा है, निकालने के लिए 1 घंटे का समय दे दीजिए।

इस पर नायब तहसीलदार को गुस्सा आ गया और उन्होंने किसान को थप्पड़ मार दिया। थप्पड़ लगते ही राममिलन के कान से खून निकलने लगा और वह मौके पर ही गिर पड़ा।

उसे गोसाईगंज सीएचसी से सिविल अस्पताल और वहां से पीजीआई के अपेक्स ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया।

गोमतीनगर पुलिस ने इनामी शातिर अभियुक्त मन्नू सिंह को धर दबोचा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के हौसले पस्त करने के लिए गोमतीनगर थाना पुलिस ने महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए एक इनामी और शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त मन्नू सिंह उर्फ मुन्नू सिंह उम्र लगभग 47 वर्ष, पुत्र जगदीश प्रसाद, निवासी मैथाना इन्दरसिंह, थाना इन्चौली, तहसील सरधना, जनपद मेरठ को शिवाजी रोड, सिम्को ऑटो सर्विस नियर कचहरी मेरठ के पास से गिरफ्तार किया गया।मन्नू सिंह के खिलाफ थाना गोमतीनगर में मुकदमा संख्या 0055/2024 दर्ज था। मामले में आरोप था कि उसने और उसके साथियों ने इन्श्योरेन्स कम्पनी की सम्पत्ति, भूखण्ड संख्या 3/450, विश्वासखण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ को हड़पने के उद्देश्य से जाली प्रपत्र और फर्जी हस्ताक्षर बनाकर लीज डीड तैयार की। इसके तहत अभियुक्त पर धारा 419, 420, 467, 468, 471 और 120B भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया था।पुलिस ने बताया कि मन्नू सिंह का आपराधिक इतिहास भी गंभीर है। पहले भी उसके खिलाफ मेरठ के सिविल लाइन्स थाना में धोखाधड़ी और जाली दस्तावेज बनाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज था। लगातार आपराधिक घटनाओं में संलिप्त रहने और शांति व्यवस्था भंग करने की प्रवृत्ति के कारण उसे गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अमरनाथ चौरसिया, विजय प्रताप चौहान, पवन कुमार और कांस्टेबल जीतेन्द्र कुमार शामिल थे। पुलिस ने अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए व्यापक छानबीन और रणनीतिक निगरानी की, जिससे इस शातिर अपराधी को धर दबोचा गया।गोमतीनगर पुलिस ने कहा कि यह कार्रवाई न केवल अभियुक्त को न्याय के कटघरे में लाने के लिए है, बल्कि आम जनता को यह भरोसा दिलाने के लिए भी कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि जाली दस्तावेजों और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत संबंधित थानों को दें, ताकि ऐसे अपराधियों की हरकतों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

लखनऊ में 'दिव्यता – द थर्ड आई' योग एवं फिटनेस अकादमी का भव्य उद्घाटन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आज योग और प्राकृतिक खेती का अद्भुत संगम उस समय देखने को मिला जब 'दिव्यता – द थर्ड आई' योग एवं फिटनेस अकादमी का अमरत्व कृषि, प्राकृतिक कृषि पहल के सहयोग से भव्य उद्घाटन हुआ। इस अकादमी की स्थापना योग एवं फिटनेस विशेषज्ञ सचिन राजवंश ने की है, जिन्हें योग क्षेत्र में 15 वर्षों से अधिक का अनुभव है। इस पहल को एसआरजी कमर्शियल ग्रुप की निदेशक शमा आर. गुप्ता का भी सहयोग प्राप्त है।उद्घाटन समारोह में भाजपा नेता एवं उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज यहाँ योग और प्राकृतिक खेती के उत्पादों का अद्भुत समन्वय देखने को मिल रहा है। योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और आंतरिक ऊर्जा प्रदान करता है।

हसनगंज पुलिस ने गृह प्रवेश और लूट के वांछित अभियुक्त गुलफाम को गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। हसनगंज थाना पुलिस टीम ने गृह प्रवेश और लूट के पुराने मामले में लंबे समय से वांछित गुलफाम पुत्र स्व0 लल्ला को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के खिलाफ वर्ष 2024 में दर्ज प्राथमिकी में आरोप था कि उसने वादी के घर में घुसकर दो मोबाइल, ब्रेसलेट, दो ब्रीफकेस और एक ट्रॉलीबैग जबरन ले लिया था, जिसमें करीब दो लाख रुपये और आभूषण थे।थाना हसनगंज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को उसके निवास स्थान से पकड़ कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान पूरी विवेचना और साक्ष्य संकलन के बाद धारा 317(2)/61(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई। गिरफ्तार अभियुक्त को नियमानुसार विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।इस मामले में पहले भी अन्य

अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें रोहित यादव उर्फ नेपाली, असफाक हुसैन, तारिक महमूद, मो0 शीश उर्फ रिजवान, पवन जैसवार, उज्जवल सिंह शामिल हैं। इसके अलावा समी अहमद उर्फ राजा और अभिषेक सिंह ने 27 फरवरी 2025 को न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था।गुलफाम का आपराधिक इतिहास भी लंबा रहा है। उसके खिलाफ चोरी, लूट और अन्य अपराधों में कई मामले पहले से दर्ज हैं। इनमें मु0अ0सं0 041/2014, 0821/2015, 1045/2015, 372/2015 शामिल हैं, जो विभूतिखंड, गोमतीनगर और अन्य थाना क्षेत्रों में दर्ज किए गए थे।गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह, उपनिरीक्षक शिशिर कुमार सिंह और कांस्टेबल शुभम मिश्रा सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है और उसे न्यायालय में कड़ी सजा दिलाने के लिए प्रस्तुत किया गया है।पुलिस ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अपराध की सूचना तुरंत अपने नजदीकी थाना या पुलिस हेल्पलाइन पर दें, ताकि अपराधियों के खिलाफ समय पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

पहले जापान फिर चीन....कूटनीति में यात्रा का क्रम कई संदेश देता है, एशियाई राजनीति में संतुलन साधेंगे मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अगस्त से 1 सितंबर तक जापान और चीन की यात्रा पर जा रहे हैं। यह दौरा केवल दो देशों की यात्रा भर नहीं है, बल्कि एशिया तथा वैश्विक राजनीति की दिशा और संतुलन को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इतना ही नहीं, इसके प्रभाव वॉशिंगटन तक भी पहुँचेंगे।

सबसे पहले, 29–30 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी जापान जाएंगे, जहाँ वह प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ 15वें भारत–जापान वार्षिक सम्मेलन में शामिल होंगे। यह मोदी का जापान का आठवाँ दौरा और इशिबा के साथ उनकी पहली मुलाक़ात होगी। हम आपको बता दें कि भारत और जापान के बीच "स्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप" है, जिसमें रक्षा-सुरक्षा, व्यापार, तकनीकी सहयोग और जन-से-जन संपर्क प्रमुख आधार हैं। इस यात्रा के माध्यम से मोदी यह संदेश देंगे कि भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में लोकतांत्रिक, पारदर्शी और नियम-आधारित व्यवस्था का प्रबल समर्थक है। जापान के लिए यह संकेत भी स्पष्ट होगा कि भारत उसके साथ गहरी साझेदारी चाहता है और चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच वह अकेला नहीं है।

इसके बाद, 31 अगस्त–1 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। SCO भारत की एशिया नीति का अहम हिस्सा है, जहाँ सुरक्षा, आतंकवाद और क्षेत्रीय सहयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होता है। इस मंच पर मोदी की मौजूदगी चीन के लिए यह संदेश है कि भारत टकराव नहीं बल्कि संवाद और बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर है। साथ ही यह भी स्पष्ट संकेत है कि भारत जापान जैसे देशों के साथ सामरिक सहयोग बढ़ाकर बीजिंग पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाए रखने की क्षमता रखता है।

कूटनीति में यात्रा का क्रम भी संदेश देता है। मोदी ने पहले जापान और फिर चीन का दौरा तय कर यह जताया है कि भारत एशिया में अपनी स्वतंत्र रणनीतिक प्राथमिकताओं पर चलता है। बीजिंग को संकेत दिया गया है कि भारत उसकी शर्तों पर नहीं झुकेगा और जापान को आश्वस्त किया गया है कि चीन के साथ संवाद उसकी कीमत पर नहीं होगा।

इसके अलावा, जापान के साथ रक्षा सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता का संतुलन साधने में मदद कर सकता है, वहीं जापान निवेश और तकनीकी सहयोग का भी बड़ा स्रोत है। दूसरी ओर, चीन के साथ सीधे संवाद बनाए रखने से भारत को सीमा विवाद और SCO जैसे मंचों पर अपनी स्थिति मजबूती से रखने का अवसर मिलता है। इस क्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का हालिया बयान उल्लेखनीय है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि परिस्थितियाँ मांगने पर चीनी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) पर लगी पाबंदियों की समीक्षा की जा सकती है। यह संकेत ऐसे समय आया है जब अमेरिका के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों में तनाव देखा जा रहा है और चीन के साथ तालमेल की संभावनाएँ खुल रही हैं।

अमेरिकी दृष्टि से यह यात्रा बेहद अहम है। वॉशिंगटन इसे गहराई से देखेगा, क्योंकि यह उसकी इंडो-पैसिफिक रणनीति, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और जापान की भूमिका— तीनों से जुड़ी है। भारत यहाँ अमेरिका को यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक खेमे का हिस्सा नहीं है। जापान में जाकर भारत अपने "स्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप" को मजबूत करता है, जो अमेरिका की इंडो-पैसिफिक दृष्टि से मेल खाता है। वहीं चीन जाकर मोदी यह दिखाएंगे कि भारत अपने पड़ोस और बहुपक्षीय मंचों की अनदेखी नहीं करेगा।

बहरहाल, मोदी की जापान और चीन यात्रा अमेरिका को यह याद दिलाती है कि भारत उसका "नेचुरल पार्टनर" तो है, लेकिन "जूनियर पार्टनर" नहीं। भारत सहयोग का पक्षधर है, पर अपनी स्वायत्तता से समझौता नहीं करता। यह दौरा साफ़ तौर पर दिखाता है कि भारत किसी एक ध्रुव का हिस्सा बनने के बजाय संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति को प्राथमिकता देता है।

एनडीए में सुलझा सीट बंटवारे का फॉर्मूला, बराबर-बराबर सीटों पर लड़ेगी BJP और जेडी(यू)

चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), या लोजपा (आरवी) को लगभग 20 सीटें मिलने की संभावना है। लोजपा (आरवी) की ओर से 40 सीटों की मांग की जा रही है।

अंकित सिंह

बिहार में विधानसभा चुनाव बस कुछ ही महीने दूर हैं। ऐसे में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सीट बंटवारे पर बातचीत के अंतिम चरण में है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) के बीच लगभग सहमति बन गई है। सूत्रों की ओर से दावा किया जा रहा है कि दोनों प्रमुख सहयोगी दल कुल 243 सीटों में से बराबर-बराबर, 100 से 105 सीटों पर चुनाव लड़ सकते हैं। चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), या लोजपा (आरवी) को लगभग 20 सीटें मिलने की संभावना है। लोजपा (आरवी) की ओर से 40 सीटों की मांग की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक बाकी सीटें जीतन राम मांझी की हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) को मिलने की उम्मीद है। हालांकि, अगर मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी), जो वर्तमान में राजद-कांग्रेस महागठबंधन के साथ गठबंधन में है, पाला बदल लेती है तो समीकरण बदल सकते हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) ने 115 और भाजपा ने 110 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

उस समय, एनडीए का हिस्सा वीआईपी ने 11 और हम (एस) ने सात सीटों पर चुनाव लड़ा था, जबकि लोजपा ने अकेले 135 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जेडी(यू) की 43 सीटों के मुकाबले 74 सीटें जीतकर भाजपा एक मज़बूत सहयोगी के रूप में उभरी। लेकिन इसके बावजूद, सूत्रों का कहना है कि जेडी(यू) इस बार 100 से कम सीटें स्वीकार करने को तैयार नहीं है। भाजपा और जदयू के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत काफी हद तक सुलझ गई है, जिसमें लोजपा (रालोद) विवाद का मुख्य मुद्दा है।

लोजपा (आरवी) का तर्क 2024 के लोकसभा चुनावों में उसके मजबूत प्रदर्शन से उपजा है, जिसमें उसने अपने द्वारा लड़ी गई सभी पांच सीटों पर जीत हासिल की और 6% से अधिक वोट शेयर हासिल किया, अपने निर्वाचन क्षेत्रों में 30 विधानसभा क्षेत्रों में से 29 में बढ़त हासिल की। अपने विभाजन से एक साल पहले 2020 के विधानसभा चुनावों में लोजपा 135 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद, सिर्फ़ एक सीट, मटिहानी, जीत पाई थी। हालाँकि, जद(यू) के खिलाफ उम्मीदवार उतारने का उसका फैसला एनडीए को भारी पड़ा। 64 सीटों पर जहाँ पार्टी तीसरे या उससे नीचे रही, उसे विजेता के अंतर से ज़्यादा वोट मिले। इनमें से, 27 सीटों पर, जहाँ वह दूसरे स्थान पर रही, उसने जद(यू) को सीधे तौर पर नुकसान पहुँचाया।

अजब-गजब

कौन है ये 25 साल की सुपरस्टार, जिसे फॉलो करते हैं 54 लाख लोग

इंटरनेट की दुनिया में कब कौन कैसे फेमस हो जाए इसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता है। जैसे टिकटॉक पर बीते कुछ महीनों में एक नाम तेजी से छा गया हैबेका ब्लूम सिर्फ़ 25 साल की उम्र में इन्होंने खुद की एक ऐसी पहचान बनाई है। अगर सीधे शब्दों में कहे तो इस लड़की ने लोगों को समझाया है कि लग्ज़री और ग्लैमर किसे कहते हैं और उसे नई पहचान दी है। इनके प्रोफाइल को आप स्क्रोल करेंगे तो प्राइवेट जेट, बुल्गारी ज्वेलरी कलेक्शन और अपने पालतू बिल्लियों के लिए कैवियार ब्रेकफास्ट जैसी चीजें देखने को मिल जाएंगी। जिसे अफोर्ड करने के लिए अमीरों को भी लोन लेना पड़ता है।

बेका का असली नाम रेबेका मा है, और टिकटॉक पर वह @BeccaxBloom नाम से जानी जाती हैं। जनवरी 2025 में उन्होंने अपना अकाउंट शुरू किया और आठ महीने के भीतर ही 38 लाख फॉलोअर्स हासिल कर लिए। इतना ही नहीं इंस्टाग्राम पर भी उनका दबदबा बराबर देखने को मिलता है, जहां उनके कुल 54 लाख से ज़्यादा फॉलोअर्स हैं। उनके कंटेंट में लग्ज़री फैशन, हाई-एंड ज्वेलरी और एक्सक्लूसिव ट्रैवल का तड़का देखने को मिलता है।

उनका फ़ीड #RichTok नामक सबकल्चर में सबसे ज़्यादा चर्चित है, जहाँ लोग खुलेआम अपनी दौलत और ऐशो-आराम दिखाते हैं। बता दें कि बेका का बचपन एथटंन है और उनका बचपन कैलिफ़ोर्निया में बीता, जो अमेरिका के सबसे अमीर इलाकों में गिना जाता है। उनके माता-पिता, साइमन यीमिंग मा और हाइडी चाउ, दोनों टेक उद्यमी हैं जिन्होंने कैमेलॉट इंफॉर्मेशन सिस्टम्स नाम की कंपनी शुरू की थी। यह कंपनी चीन की आईटी और क्लाउड सर्विस इंडस्ट्री में बड़ी भूमिका निभा चुकी है और 2010 में न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट भी हुई थी।

बेका अपने माता-पिता को अपनी प्रेरणा मानती हैं। उन्होंने कहा है कि उनके माता-पिता ने शुरुआत शून्य से की और 5,000 कर्मचारियों वाली कंपनी खड़ी की। मेनलो स्कूल में पढ़ाई करते समय बेका ने रोबोटिक्स टीम की कप्तानी की और स्टडीपल नाम का पीयर-टू-पीयर ट्यूटोरिंग प्लेटफ़ॉर्म भी बनाया, जिसे बाद में बेच दिया। इस प्रोजेक्ट के बाद उन्होंने हर्थ वायरलेस चार्जर्स नाम से एक स्टार्टअप शुरू किया और फिर यूनिवर्सिटी ऑफ़ सदर्न कैलिफ़ोर्निया से बिज़नेस की पढ़ाई पूरी की। कॉलेज के बाद उन्होंने बे एरिया की एक फिनटेक कंपनी में काम किया। इसी दौरान वह अपने परिवार और मंगेतर के साथ खूब यात्राएं करती रहीं और सोशल मीडिया पर लग्ज़री लाइफ़स्टाइल साझा करती रहीं और उनके इसी लाइफस्टाइल ने उन्हें फेमस कर दिया।

ब्लॉग

विभाजक ताकतों को उलाहना देती बाबुश्किन की हिंदी

उमेश चतुर्वेदी

आज के रूस और उसके पूर्ववर्ती सोवियत संघ में हिंदी की पढ़ाई-लिखाई 1957 से ही शुरू हो गई थी, इस लिहाज से रूस के किसी नागरिक का हिंदी बोलना महत्वपूर्ण नहीं माना जा सकता। लेकिन आज के दौर में भारत स्थित रूसी दूतावास के दूसरे नंबर के अधिकारी रोमन बाबुश्किन अगर हिंदी के चंद लफ्जों का इस्तेमाल करें तो वह अहम हो जाता है। रूस से तेल खरीद के चलते अंकल सैम की आंखें इन दिनों भारत पर लाल हैं। इसी संदर्भ में 20 अगस्त को रूसी दूतावास ने एक प्रेस कांफ्रेंस रखी। उस प्रेस कांफ्रेंस में अपने संबोधन की शुरूआत बाबुश्किन ने हिंदी के दो वाक्यों से करके भारतीय भाषा प्रेमी पत्रकारों का दिल जीत लिया। बाबुश्किन का पहला वाक्य रहा, 'सभी का हार्दिक स्वागत है।' पत्रकारिता जगत की हस्तियों की श्रवणेंद्रिय इस हिंदी प्रयोग का झटका झेल रही थीं, कि बाबुश्किन ने ठेठ भारतीय सांस्कृतिक अंदाज में दूसरा वाक्य छोड़ दिया, 'हम शुरुआत करेंगे...भगवान गणेश के साथ। गणेश चतुर्थी आ रही है।'

बाबुश्किन का हिंदी बोलना भारतीय राजनीति और समाज के उस तबके के लिए सीख हो सकता है, जो हिंदी का सवाल आते ही भड़क उठते हैं। जिन्हें विदेशी अंग्रेजी तो ग्राह्य और स्वीकार्य है, लेकिन हिंदी उनकी अपनी अस्मिता पर सवाल उठाती लगती है। आजाद भारत की राजनीति जाति, धर्म और भाषा के आधार पर किस कदर विभाजित हुई है, इसे समाज तो रोज ही झेलता-देखता है। इस विभाजक सोच का ही असर है कि हमारी अपनी भाषाओं के बीच भी झगड़े पैदा किए जा रहे हैं। भारतीय भाषाओं को एक-दूसरे के विरोध में राजनीति खूब खड़ा कर रही है और इसके जरिए वह अपना सियासी उल्लू ही सीधा करती है। नैरंतर्य और सकारात्मकता के लिहाज से देखें तो इसके सामाजिक विघटन की नींव ही मजबूत हो रही है। अस्मिताबोध को जगाने की आड़ में भाषायी वैमनस्य की राजनीति का एक मात्र मकसद सामाजिक विघटन को बढ़ाना और उस बंटे समाज के बीच से अपने खांचे में फिट बैठने वाला बड़ा समर्थक आधार वर्ग तैयार करना है। इसीलिए जब नई शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं के जरिए प्राथमिक शिक्षा की बात होती है तो हिंदी को किनारे लगाने के लिए तमिल राजनीतिक अस्मिता उठ खड़ी होती है। कन्नड़ और बांग्ला भाषा बोध भी हिंदी के खिलाफ उठ खड़ा होता है। दिलचस्प यह है कि स्थानीय भाषाबोध के इन खिलाड़ियों के लिए वह अंग्रेजी अपनी हो जाती है, जिसकी कथित तौर पर वैश्विक व्यापकता है। हालांकि हकीकत यह है कि अंग्रेजी की व्यापकता गहराई से देखें तो अमेरिका, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, भारत और हांगकांग में ही है।

बाबुश्किन का हिंदी बोलना भारतीय राजनीति और समाज के उस तबके के लिए सीख हो सकता है, जो हिंदी का सवाल आते ही भड़क उठते हैं। जिन्हें विदेशी अंग्रेजी तो ग्राह्य और स्वीकार्य है, लेकिन हिंदी उनकी अपनी अस्मिता पर सवाल उठाती लगती है।

इसे भी पढ़ें: भारत के 'सुदर्शन चक्र' रक्षा कवच की डोर रूस से भी जुड़ेगी! रक्षा साझेदारी को मिला बल! जानें क्यों दुनिया देख रही इसकी ओर!

अंग्रेजी को तो बाबुश्किन ने भी अपना रखा है। भारतीय पत्रकारों के लिए आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बाद में वे अंग्रेजी में ही बोले। लेकिन हिंदी में बोलकर उन्होंने एक तरह से भारतीय लोगों का दिल जीतने की कोशिश की। ठीक उसी अंदाज में, जिस अंदाज में नरेंद्र मोदी स्थानीय समुदायों के दिल तक अपनी पैठ बनाने के लिए स्थानीय भाषाओं के कुछ शब्दों के साथ अपने भाषण की शुरूआत करते रहे हैं। पता नहीं, बाबुश्किन ने हिंदी बोलकर वहां उपस्थित कितने भारतीय पत्रकारों का दिल जीता, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों और सोशल मीडिया पर जब से उनकी मीठी प्रचारित हुई है,उन्होंने ठेठ भारतीयों का दिल जरूर जीत लिया है।

सोवियत संघ में हिंदी फिल्में काफी पसंद की जाती रही हैं। एक दौर में राजकपूर की फिल्में खासा लोकप्रिय रही हैं। राजकपूर अभिनीत फिल्म श्री 420 का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिस्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' एक दौर में सोवियत संघ के घर-घर का पसंदीदा गीत बन गया था। कम्युनिस्ट शासन के दौर में रूस की राजधानी मास्को में हिंदी में दो प्रकाशक भी सक्रिय रहे, प्रगति प्रकाशन और रादुगा प्रकाशन। इन प्रकाशनों के जरिए रूसी लेखकों के साथ ही लेनिन, स्टालिन आदि की रचनाएं हिंदी में अनूदित होकर सस्ते में उपलब्ध होती थीं। एक दौर में सोवियत संघ की दो पत्रिकाएं 'सोवियत देश' और 'स्पूतनिक' भारत में बहुत प्रचलित थे। हिंदी की वहां पढ़ाई भी खूब होती है। इसकी शुरूआत 1955 में हुई। उसके पहले तक रूस की भारत में दिलचस्पी संस्कृत भाषा और साहित्य के अध्ययन तक सीमित थी। साल 1955 में सोवियत संघ के तत्कालीन प्रधानमंत्री निकिता ख्रुश्चेव ने भारत का दौरा किया। इसी दौरे में उन्होंने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा, ₹हम यह देखेंगे कि हमारे देश की शिक्षा प्रणाली ऐसी विकसित हो जिसमेंं सर्वश्रेष्ठ और सर्वगुण-सम्पन्न नई पीढ़ी हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं को सीखें।₹इसी के बाद सोवियत संघ में हिंदी प्रकाशन और पढ़ाई-लिखाई की शुरूआत हुई।

आज रूस के मास्को राजकीय विश्वविद्यालय, रूसी राजकीय मानविकी विश्वविद्यालय, अंतरराष्ट्रीय संबंध विश्वविद्यालय, सांक्त पितेरबूर्ग विश्वविद्यालय, विद्यालय क्रमांक 19, मॉस्को, फ़ार ईस्ट विश्वविद्यालय, ब्लादीवोस्तक आदि में हिंदी पढ़ाई जा रही है। इसके साथ ही मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के जवाहरलाल नेहरू सॉंस्कृतिक केंद्र में हिन्दी की कक्षाएँ चल रही हैं। जिनमें हर आयु वर्ग लोग हिंदी सीख रहे हैं। साफ है कि विदेशी लोग हिंदी सीख रहे हैं, भारत आए विदेशी हिंदी बोल रहे हैं। इस्कॉन के मंदिरों में जाकर देखा जा सकता है, भगवान कान्हा के विदेशी भक्त भी मीठी हिंदी में बात करते मिल जाएंगे। लेकिन हमारी ही राजनीति के ही एक वर्ग को हमारी हिंदी से परहेज है। ऐसे लोगों के लिए बाबुश्किन की मीठी हिंदी एक तरह मीठा उलाहना है। बाबुश्किन जैसों की जुबान से निकली हिंदी भारतीय भाषा प्रेमियों के लिए नव उत्साह के संचार का जरिया है। ऐसे सुखद हादसों से हिंदी ही नहीं, भारतीय भाषा प्रेमी भी प्रेरित होते हैं। काश कि हमारी राजनीति भी इसे समझती, इससे प्रेरित होने की कोशिश करती और भाषा के नाम पर होने वाली विभाजनकारी राजनीतिक कर्म से बचती।

'एक को भेजकर पछता रहे, अब दूसरी को नहीं भेजना...' फफक पड़ी निक्की की मां, बोलीं- कातिलों को फांसी मिले

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के निक्की हत्याकांड ने सभी को हिला कर रख दिया है. निक्की को उसके पति विपिन भाटी और सास ने मिलकर जिंदा जला डाला। इस मामले को लेकर लोगों में आक्रोश है। सोशल मीडिया पर भी निक्की के लिए इंसाफ मांगा जा रहा है। हालांकि, पुलिस ने इस मामले के निक्की में पति, सास-ससुर और जेठ को गिरफ्तार कर लिया है। अब निक्की की मां का एक बयान सामने आया है, जिसमें वह निक्की के ससुराल वालों को फांसी देने की मांग कर रही हैं और साथ ही अपनी बड़ी बेटी कंचन को उस घर में दोबारा न भेजने की बात कर रही हैं।

मृतका निक्की की मां का बेटी की मौत के बाद से रो-रोकर बुरा हाल है। अपनी बेटी के साथ हुई बर्बरता के बाद निक्की के परिजन में गुस्सा है। वह अपनी बेटी के लिए इंसाफ की मांग कर रहे है। निक्की के पिता ने निक्की की सास को बेटी की हत्या की साजिश की मास्टरमाइंड बताया था। अब मां का बयान सामने आया। निक्की की मां ने कहा कि हम अपनी बड़ी बेटी कंचन को अब उस घर मे दोबारा नही भेजेंगे। एक को भेजकर हम पहले ही पछता रहे हैं।

"पति और सास को आग लगा देनी चाहिए"

निक्की की मां ने कहा कि विपिन और उसकी मां को आग लगा देनी चाहिए। जैसे उन्होंने मेरी बेटी को जिंदा जलाकर मार डाला। ऐसे ही इन दोनों को भी आग लगा देनी चाहिए और निक्की के जेठ रोहित के साथ ससुर को उम्रकैद की सजा होनी चाहिए। वहीं निक्की के पिता का कहना है कि इन चारों आरोपियों को फांसी की सजा होनी चाहिए। तभी इंसाफ मिलेगा।

रील बनाना भी विपिन को नहीं था पसंद

पुलिस जांच में सामने आया कि निक्की और कंचन पार्लर चलाकर गुजर-बसर करती थीं। दोनों बहनें सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव थीं। उन्होंने अपने पार्लर के नाम से भी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया हुआ था। कंचन का अकाउंट पब्लिक है, जिस पर उसके काफी फॉलोअर्स भी हैं, जबकि निक्की का अकाउंट प्राइवेट है। कंचन और निक्की रील बनाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती थीं, लेकिन उनका रील बनाना भी विपिन को पसंद नहीं था। जब भी दोनों बहनें रील बनाती थीं। तभी विपिन और उसके परिवार वाले निक्की और कंचन के साथ लड़ाई झगड़ा करते थे।

एक वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा वायरल

वहीं वारदात से जुड़ा एक कथित वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि आरोपी विपिन घर के बाहर बदहवास होकर दौड़ रहा है। सोशल मीडिया पर एक वर्ग ये भी दावा कर रहा है कि ये वीडियो उस समय का है, जब कमरे के अंदर निक्की जिंदा जल गई थी, उस दौरान विपिन घर से बाहर था। हालांकि, इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

शादी के लिए लड़की देखने गए डिप्टी सीएमओ, मैनपुरी में बंधक बनाकर लूट लिए कैश-जेवरात

आर्यावर्त संवाददाता

मैनपुरी. उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से चौकाने वाला मामला सामने आया है। यहां शादी के लिए लड़की देखने गए डिप्टी सीएमओ को एक घर में बंदी बना लिया गया। दरअसल आगरा रहने वाले और हाथरस में तैनात डिप्टी सीएमओ मैनपुरी में शादी के लिए लड़की देखने गए थे। यह उनके लिए भारी पड़ गया। आरोप है कि नगर के राजकीय इंटर कॉलेज के पास एक घर में रविवार को आरोपियों ने उन्हें और उनेक दोस्त को बंधक बना लिया। इस दौरान आरोपियों ने उनके पास से नगदी और गहने लूट लिए। छुटने के बाद पीड़ित ने देर शाम कोतवाली पुलिस को मामले को सूचना दी। मामले में पुलिस पीड़ितों की निशानदेही पर बताए घर पर पहुंची तो घर पर ताला लगा था और आरोपी फरार थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित सीएमओ सिकंदरा थाना क्षेत्र स्थित विकास कॉलोनी, सेक्टर 10 के रहने वाले है। उनका डॉ। एके सिंह है। वे हाथरस के बाग्ला जिला अस्पताल में वरिष्ठ परामर्शदाता व डिप्टी सीएमओ के पद पर कार्यरत हैं। रविवार को उन्होंने पुलिस में तहरीर दी और बताया कि वे तलाकशुदा हैं। वे अपनी रिश्ते की बहन रूबी के कहने पर रविवार को एक लड़की देखने मैनपुरी आए थे। रिश्ते की बहन रूबी ने अपने पड़ोस की एक लड़की से उनकी शादी कराने की बात की थी। इसके बाद वे अपने दोस्त ललित के साथ बसुंधरा कॉलोनी के हाथरस गेट के साथ लड़की के घर दोपहर तीन बजे पहुंचे। इस दौरान वहां रिश्ते की बहन, एक और महिला के साथ दो पुरुष मिले। सीएमओ साहब ने आरोप लगाया है कि इन लोगों ने उन्हें बंधक बनी लिया और उनक पास से 75 हजार की नकदी 4 मोबाइल फोन, दो अंगूठी, एक ब्रेसलेट और लड़की को देने के लिए लेकर गए कपड़े लूट लिए।

कृष्णा सिंह अध्यक्ष, मोहित छाबड़ा महामंत्री, कुलदीप शर्मा कोषाध्यक्ष मनोनीत

आर्यावर्त संवाददाता

तिकुनिया-खीरी। सोमवार को नगर उद्योग व्यापार मंडल के जिला पदाधिकारियों की मौजूदगी में व्यापार मंडल का गठन किया गया। जिसमें कृष्णा सिंह बाबू को नगर अध्यक्ष,मोहित छाबड़ा को महामंत्री, तथा कुलदीप शर्मा को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

तहसील के अध्यक्ष अशोक जैन ने नए गठन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि तिकुनिया नगर इकाई में मनोनीत पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें, उन्हें खुशी है कि यह संगठन व्यापारियों के लिए अच्छा काम करेगा। उन्होंने नवगठित पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। कस्बे के अग्रवाल रेस्टोरेंट पर व्यापारियों की बैठक हुई, जिसमें जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता, जिला महामंत्री उमेश शुक्ला ने तिकुनिया नगर अध्यक्ष के लिए कृष्णा सिंह उर्फ बाबू के नाम की घोषणा की जिसका व्यापारियों ने ताली बजाकर स्वागत किया। इसी प्रकार मोहित छाबड़ा तथा कुलदीप शर्मा के नाम की घोषणा पर मौजूद सभी व्यापारियों ने ताली बजाकर स्वागत किया। इस बाबत जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा तिकुनिया नगर इकाई के अध्यक्ष की जिम्मेदारी है कि अपने संगठन का विस्तार करके रिपोर्ट जिले को सौंप दी जाए जिससे उसे आगे बढ़ाया जा सके। इस दौरान धीरज मित्तल,सुरेंद्र अग्रवाल, बालकिशन अग्रवाल, अजय गर्ग टीटू, टिंकू गुप्ता,रवि राजपूत, सुदर्शन जैन, अभय गोयल,बजरंग अग्रवाल,रिंकू अरोड़ा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य पर किशोरी के साथ शोषण करने का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

बहेड़ी-बरेली। कोतवाली शीशगढ़ के कस्बा मानपुर के सैपुरा के चौधरी रणजीत सिंह मेमोरियल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य पर एक 13 वर्षीय किशोरी ने डेढ़ वर्ष से शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य को दिए शिकायती पत्र में किशोरी ने बताया कि उसने वर्ष 2023 24 में चौधरी रणजीत सिंह मेमोरियल इंटर कॉलेज शाहपुर मानपुर में दाखिला लिया था लगभग चार-पांच महीने बाद कॉलेज के प्रधानाचार्य राहुल देव उस पर गलत नजर रखने लगा। किसी न किसी बहाने से किशोरी को अपने ऑफिस में बुलाने लगा और अश्लील बातें करने लगा। किशोरी का आरोप है कि इस दौरान बह उसके साथ हरकते करने लगा जब उसने मना किया तो वह बोला कि अगर तुमने कुछ भी किया तो मैं तुम्हें बदनाम कर दूंगा और कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ूंगा।

इस दौरान उसे फेल करने के लिए धमकी दी गई जिसे वह डर गई और किसी को कुछ नहीं बताया। आरोप है कि कॉलेज का प्रधानाचार्य राहुल देव किशोरी से लगातार फोन पर भी प्रताड़ित करने लगा। जिससे किशोरी डिप्रेशन में भी चली गई इस दौरान उसके घर वालों ने उसका इलाज एक निजी अस्पताल में कराया इसके बाद जब वह दुबारा कॉलेज पहुंची तो प्रधानाचार्य राहुल देव ने अपने कमरे में बुलाकर दरवाजा बंद कर उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। जब उसने शोर मचाया तो वह उससे बोला कि कॉलेज का मैनेजमेंट मेरे हिसाब से चलता है अगर तूने मेरी बात नहीं मानी तो तुझे मार कर कहीं फिकवा दूंगा किसी को कुछ पता नहीं चलेगा। जब किशोरी ने यह बात अपने घर बताइ तो उसके परिजन कॉलेज में शिकायत करने पहुंचे आरोप है।

कौन है हिस्ट्रीशीटर विनित, जिसने एक्सप्रेस-वे पर ड्यूटी कर रहे सिपाही को कार से उड़ाया?

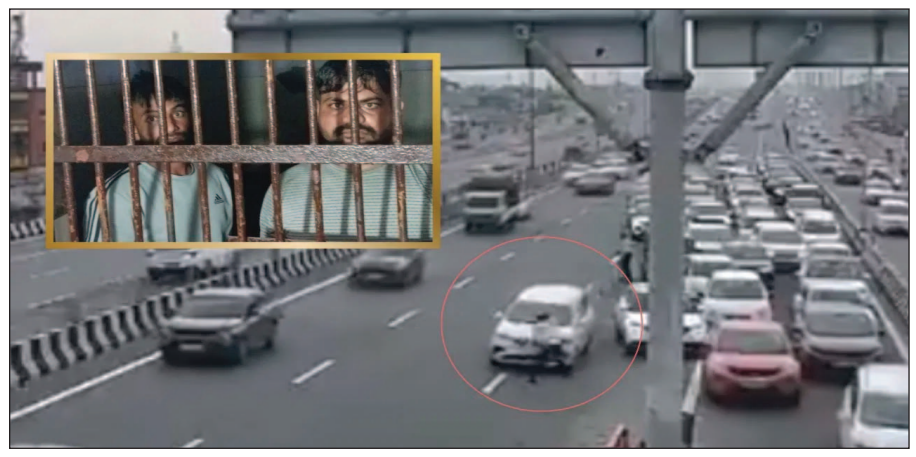

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ-दिल्ली एक्सप्रेस-वे का एक वीडियो वायरल हो रहा है। बीते 22 अगस्त कोतेज रफ्तार कार ने ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक सिपाही को टक्कर मार दी थी। इस जोरदार टक्कर के दौरान पुलिसकर्मी हवा में उछलता हुआ दूर जाकर गिरे। टक्कर में वह बुरी तरह घायल हो गए, जिसके बाद वहां ड्यूटी पर तैनात दूसरे पुलिसकर्मी ने उसे अस्पताल पहुंचाया। करीब 34 घंटे तक अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझने के बाद रविवार की सुबह सिपाही की मौत हो गई। ये पूरी घटना एक्सप्रेस वे पर लगे सीसी टीवी में कैद हो गई थी।

घटना 22 अगस्त के शाम की है। सिपाही विपिन कुमार एक्सप्रेस-वे पर ड्यूटी कर रहे थे। तभी अचानक तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने तीसरी लेन से मुड़ते हुए सीधे विपिन को हवा में उछाल दिया। इस दौरान कार की रफ्तार 120 किमी/घंटा थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सिपाही विपिन बोनट से टकराकर करीब 8 फीट हवा में उठल गए और दूर जाकर गिरे।

कार ने सिपाही को मारी टक्कर

हादसे के बाद कार चालक हिस्ट्रीशीटर मौके से फरार हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और ऐंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस ने घायल को मणिपाल अस्पताल पहुंचाया, जहां रविवार सुबह उनकी मौत हो गई। इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। विपिन कुमार 2016 में यूपी पुलिस में भर्ती हुए थे। परिवार बुलंदशहर के खुर्जा में रहता है। उनके तीन बच्चे हैं। इसमें 8 साल के जुड़वां बेटा-बेटी और 5 साल का एक बेटा।

कार चालक निकला हिस्ट्रीशीटर

हादसे के बाद पुलिस जांच में जुट गई। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से गाड़ी चालक विनीत और सुमित को गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के मुताबिक विनीत द्वारा गाड़ी चलाई जा रही थी चालक विनीत उर्फ बिन्नी मधुबन बापू धाम थाने का हिस्ट्रीशीटर बदमाश बताया जा रहा है। विनीत और सुमित नाम के दोनों शख्स गाजियाबाद के सदरपुर इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं। गाड़ी उसके भाई सुमित के नाम पर थी। उसने हाल ही में नई कार खरीदी थी। इसी कार से वारदात हुई है। पूछताछ में सामने आया है कि दोनों भाई घटना के वक्त शराब के नशे में थे। हिस्टीशीटर विनीत के चाचा और पाप भी हिस्ट्रीशीटर बताए जा रहे हैं।

क्या है हिस्ट्रीशीटर का इतिहास?

हिस्ट्रीशीटर विनीत की जब कुंडली पुलिस ने खंगाली ने तो पता चला विनीत के खिलाफ मधुबन बापूधाम थाने में तीन मार-पीट के मामले दर्ज हैं। इसके बाद हिस्ट्रीशीट खोली गई तो पता चला कि विनीत पहले से ही कुछ आइडियल किस्म का लड़का बचपन से ही था। स्कूली टाइम से ही उसे मार-पीट का शौक सा लग गया था। जरा जरा सी बात पर वह अपने साथियों के संग मार-पीट कर देता था और उसकी यह आदत बड़े होने तक नहीं गई। इसी आदत के कारण उसने घर के आस-पास रहने वाले लोगों से भी उसका झगड़ा हो जाया करता था।

ज्यादा मार-पीट करने के कारण तीन लोगों ने उसके खिलाफ मधुबन बापू धाम में रिपोर्ट दर्ज कराया। इसके अलावा भी विनीत के द्वारा लोगों से मार-पीट की गई है, लेकिन डर के चलते इसके खिलाफ पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज करने की हिम्मत नहीं कर पाते थे. यानी कह सकते है कि विनीत गुस्सैल किस्म का लड़का है। जब उसे पर किसी प्रकार की सनक सवार हो जाती थी तो वह उसके साथ मार-पीट कर देता था। विनीत को तेज गाड़ी चलाने का भी शौक था और इसी शौक के कारण उसने ट्रैफिक के एक सिपाही की जान भी ले ली।

पुलिस ने क्या कहा?

मामले में पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से साफ है कि यह सामान्य दुर्घटना नहीं बल्कि सीधी हत्या का मामला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और वीडियो साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में धाराएं बढ़ाई जाएंगी। एसओ ने बताया कि आरोपी एक हिस्ट्रीशीटर है और उसके पिता व चाचा के खिलाफ भी पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि कहीं सिपाही और आरोपी के बीच पुराना विवाद तो नहीं था।

विधायक से कही थी इस्तीफे की बात, एमएलए बेदी राम से उलझने वाले डॉक्टर योगेंद्र पर अब क्या हुआ एक्शन?

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर. "तुम्हारे जैसे बहुत विधायक देखे हैं और इतनी ऊंची आवाज सुनने की मेरी आदत नहीं है..." ये बात कहते हुए जखनिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर योगेंद्र यादव का एक वीडियो वायरल हुआ था। ये बात वह विधायक से कहते हुए अपने चेंबर से बाहर चले गए थे। अब इस मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कार्रवाई करते हुए डॉक्टर योगेंद्र यादव को अधीक्षक के पद से हटाकर सीएमओ कार्यालय से अटैच कर दिया है। विधायक बेदी राम का कहना है कि अब मैं इस पूरे केस को मुख्यमंत्री के सामने भी रखूंगा। दरअसल, उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के जखनिया तहसील में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जखनिया विधायक बेदी राम पहुंचे। उन्होंने हेल्थ सेंटर का जायजा लिया था। इस निरीक्षण में यह

पाया गया था कि डॉक्टर समेत बहुत सारे स्टाफ ने अटेंडेंस रजिस्टर पर अपना साइन नहीं किए थे। जब विधायक वहां पहुंचे तो डॉक्टर उनके सामने ही साइन करने लगे, जिस पर विधायक नाराज हुए। वह ऊंची आवाज में इसको लेकर डॉक्टर से बात करने लगे। तब चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर योगेंद्र यादव ने कहा कि मुझे ऊंची आवाज सुनना पसंद नहीं है और यह कहते हुए वह अपना चेंबर छोड़कर चले गए थे। वायरल वीडियो भी इसी दौरान का है। जब विधायक ने हेल्थ सेंटर का निरीक्षण किया तो इस दौरान मरीजों और उनकी परिजनों ने बाहर से दवा लिखने और बाहर से ही जांच कराने के साथ इलाज के नाम पर पैसा लेने का आरोप लगाया। इस दौरान मरीजों के लिए चलने वाला किचन भी बंद पाया गया। विधायक ने ताला खुलवाकर किचन चेक किया था। किचन में गैस सिलेंडर भरा हुआ ही नहीं था।

कमियां पाईं तो डॉक्टर पर भड़के

इसके बाद जब विधायक और आगे बढ़े तो वार्डों में मरीजों के लिए बिछाई गई चादर भी साफ नहीं थी। हेल्थ सेंटर के टॉयलेट में भी ताले लगे हुए और सिर्फ दो शौचालय को मरीजों के लिए खोला हुआ था। उनमें भी गंदगी भरी पड़ी थी। जब हेल्थ सेंटर में विधायक ने इतनी सारी कमियां पाईं तो वह डॉक्टर पर भड़क गए। चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर योगेंद्र यादव पिछले कई सालों से इस स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात हैं। उन्होंने अपनी तैनाती के दौरान हेल्थ सेंटर पर कई ऐसे अच्छे काम भी किए हैं, जो स्वास्थ्य विभाग में चर्चा का विषय भी बने।

सीएमओ कार्यालय से अटैच कर दिया

जब विधायक ने खुद हेल्थ सेंटर का निरीक्षण किया और इतनी सारी कमियां पाई गईं तो डॉक्टर योगेंद्र यादव से सवाल किया गया। विधायक तेज आवाज में बोले तो डॉक्टर ने इस्तीफा देने की धमकी दी और विधायक के सामने से चले गए। इसके बाद विधायक ने इसकी जानकारी जिला अधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिया गया था। वहीं अब इस मामले पर जिला अधिकारी के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील पांडे ने कार्रवाई करते हुए डॉक्टर योगेंद्र यादव को तत्काल प्रभाव से सीएमओ कार्यालय से अटैच कर दिया और वहां पर डॉक्टर अवधेश पासवान को नए चिकित्सा अधीक्षक बना दिया।

समस्याओं को लेकर कोटेदार संगठन हुआ लामबंद, की नगरपालिका मे बैठक, भरी हुंकार

नवाबगंज (गोण्डा)। आदर्श कोटेदार एवं उपभोक्ता वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले नगरपालिका के कालीकुण्ड मंदिर प्रांगण में बैठक आयोजित हुई। इसमें प्रदेश अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने कहा कि कोटेदारों और उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान संगठन की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि चाहे खाद्यान्न वितरण में दिक्कत हो या विभागीय कार्यप्रणाली की जटिलताएँ, हर मुद्दे को शासन-प्रशासन के सामने मजबूती से रखा जाएगा। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रामप्रताप तिवारी ने की। इस अवसर पर जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष आचार्य हरिओम पाण्डेय, जिला संचार मंत्री शोभनाथ सिंह, वजीरगंज ब्लॉक अध्यक्ष मयंक मिश्रा, गौतम दुबे , घिसियावन ब्लॉक अध्यक्ष नागेंद्र सिंह, राजीव कपूर, विनोद तिवारी, सहित अन्य पदाधिकारी व कोटेदार मौजूद रहे।

चंदा लगाकर मेरा अंतिम संस्कार कर देना, लेकिन शव परिवार को नहीं देना...होटल में जहर खाकर युवक ने दे दी जान, रुला देगा सुसाइड नोट

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। चंदा लगाकर मेरा अंतिम संस्कार कर देना, लेकिन मेरा शव मेरे चाचा या परिवार के किसी अन्य लोगों को ना देना और मेरा मृत्यु प्रमाण पत्र सिर्फ ससुराल पक्ष के लोगों को ही देना। इसी तरह का कुछ सुसाइड नोट लिखकर बेरोजगारी और आर्थिक तंगी से परेशान युवक ने गाजीपुर के सदर कोतवाली के एक होटल में जहर खाकर जान दे दी।

मृतक किसी सीमेंट की फैक्ट्री में काम करता था, लेकिन कुछ महीनों से उसकी नौकरी छूट गई थी। युवक अपने चाचा से दो वक्त की रोटी की मांग किया, लेकिन चाचा बोले जहां हो वहीं रहो। इससे आहत होकर युवक अपने ससुरल में था। युवक एक दिन पहले शहर के एक होटल में कमरा बुक कराया और इस कमरे में जहर खाकर जान दे दिया।

मामला गाजीपुर के सदर

कोतवाली इलाके के एक होटल का है। यहां एक दिन पहले होटल के कर्मचारी रूम खुलवाने के लिए पीट रहे थे। लेकिन काफी देर तक जब दरवाजा नहीं खुला तब कर्मचारियों को कुछ संदेह हुआ और उसके बाद उन सब ने इसकी जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। जिसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची और जब पुलिस ने वीडियो ग्राफी करते हुए खिड़की से देखने का प्रयास किया।

तब पता चला कि वह कमरे के अंदर गिर पड़ा था। उसके मुंह से झाग निकल रहा था। इसके बाद पुलिस ने किसी तरह से दरवाजा खोलकर उसे अस्पताल ले गई। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दौरान पुलिस को होटल के कमरे में एक सुसाइड नोट भी मिला। इस पर उसने अपने आर्थिक तंगी और अपने चाचा पर इस तंगी के दौरान किसी तरह की मदद नहीं करने का आरोप लगाया।

आर्थिक तंगी से परेशान ने किया सुसाइड

मृतक की पहचान ओम प्रकाश राय के रूप में हुई है। वह बिहार का रहने वाला था और मोहम्मदाबाद के तमलपुरा गांव में उसकी ससुराल थी। वह किसी सीमेंट की फैक्ट्री में काम करता था। साल 2021 में उसकी पत्नी की मौत हो गई और इधर पिछले कई महीनों से उसकी नौकरी भी छूट गई थी। जिसके चलते वह आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। इसके बाद उसने अपने कमरे का किराया अदा करने के बाद अपने ससुराल पहुंचा और उसके पश्चात उसने अपने चाचा से संपर्क किया कि वह आर्थिक तंगी से जूझ रहा है उसे बस कुछ दिनों के लिए दो वक्त की रोटी दे दे। लेकिन उसके चाचा ने तत्काल मना कर दिया।

चाचा की बता से आहत

जानकारों की बात माने तो उसके गांव मृतक की भी जमीन है लेकिन चाचा ने जब मना किया तब वह काफी आहत हो गया। इसके बाद उसने शहर के एक होटल में रूम बुक कराया और उसका पूरा भुगतान भी किया और यह कदम उठाया। उसने अपने सुसाइड नोट में साफ शब्दों में लिखा है की चंदा लगाकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया जाए और मृत्यु प्रमाण पत्र ससुराल के लोगों को ही दिया जाए।

जांच में जुटी पुलिस

इस प्रकरण पर अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र प्रसाद ने बताया कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे व्यक्ति का शव मिला। साथ ही एक सुसाइड नोट भी मिला, जिसमें उसने अपने आर्थिक तंगी की बात लिखी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और सुसाइड नोट और मौत के अन्य पहलुओं पर भी जांच कर रही है।

तहसीलदारों ने बैठक कर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए बनाई रणनीति

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखीमपुर खीरी के निर्देशानुसार आगामी 13 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी कड़ी में सोमवार को अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वीरेन्द्र नाथ पाण्डेय ने जनपद के सभी तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों के साथ बैठक की। सचिव डीएलएसए ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कराया जाए। इसके लिए आमजन के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग लोक अदालत की प्रक्रिया से लाभान्वित हो सकें।बैठक में जनपद के सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार मौजूद रहे।

देसी घी को लंबे समय तक फ्रेश रखने के लिए इस तरह से करें स्टोर, सालों तक बना रहेगा स्वाद भी

यहां हम आपको देसी घी स्टोर करने के कुछ ऐसे तरीके बताएंगे जिनकी मदद से आप घी को लंबे समय तक फ्रेश और टेस्टी रख सकते हैं।

गाय का शुद्ध देसी घी न सिर्फ किसी भी पकवान का स्वाद बढ़ा देता है बल्कि सेहत के लिए भी इसके कई फायदे होते हैं। घी में हेल्दी फैट पाया जाता है और यह कई गंभीर बीमारियों के खतरे को भी कम करता है। खासतौर पर सर्दियों में घी खाने के कई अद्भुत फायदे होते हैं। स्किन के लिए भी यह काफी हेल्दी माना जाता है। गाय के घी में विटामिन ए, विटामिन ई और विटामिन के भरपूर मात्रा में होता है।

5000 वर्षों से अधिक समय से उपयोग में आने के बावजूद देसी घी उपमहाद्वीप के ज्यादातर क्षेत्रों में आज के मुख्य खाद्य पदार्थों में से एक है। लेकिन पश्चिम में रह रहे हैं लोग वास्तव में अब इससे परिचित हो रहे हैं।

अगर आपको भी घी खाना पसंद है और आप एक साथ ढेर सारा घी खरीदकर रखने की सोच रहे हैं तो लेकिन इसे स्टोर करने में समस्या हो रही है तो यहां हम आपको कुछ आसान टिप्स बताएंगे जिनकी मदद से घी लम्बे समय तक एकदम फ्रेश और टेस्टी बना रहेगा।

कैसे रखें किचन कैबिनेट में घी

अलग से रैप किए हुए और बिना खुले जार को रूम टेंपरेचर पर किचन कैबिनेट में स्टोर किया जा सकता है। इसकी शेल्फ लाइफ 9 महीने होती है। रूम टेंपरेचर पर बनाया गया मक्खन लगभग 6 महीने तक इस्तेमाल योग्य और फ्रेश रहता है लेकिन इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि घी शेल्फ पर रहे इससे घी को इतने लंबे समय तक के लिए स्टॉक करना संभव होता है।

फ्रिज में ऐसे रखें घी

अगर घी का जार खुला है तो इसे फ्रीज में स्टोर करना बेहतर होगा। इससे यह पूरे एक साल तक फ्रेश रह सकता है। चूंकि फ्रिज में रखा घी जम जाता है इसलिए इसे यूज करना मुश्किल होता है। अगर आप रोजाना घी को पिघलाने में अपना समय बर्बाद करने से बचना चाहते हैं तो आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि जब भी आप फ्रिज में रखा हुआ घी इस्तेमाल करें तो इसे काउंटर टॉप पर कम से कम 2 घंटे के लिए सॉफ्ट होने दें।

फ्रीजर में करें घी स्टोर

घी को जमाया भी जा सकता है और यह पूरे 1 साल तक चलता है। हालांकि आप कम मात्रा में इसे स्टोर करें। यानी ज्यादा से ज्यादा आप केवल एक महीने का घी ही फ्रीजर में स्टोर करें। फ्रीजर जलने के मामलों से बचने के लिए आप इसे डबल रैप करके रखें। इसके अलावा इस बात का भी ध्यान रखें कि जिन कंटेनरों का आप इस्तेमाल कर रहे हैं उन पर उचित लेबल और तारीख जरूर लिखा हो।

बड़े-छोटे कंटेनर में घी

चूंकिगाय के घीका कंटेनर बार-बार खोला और बंद किया जाता है, ऐसे में यह नमी से अधिक और आसानी से प्रभावित होता है। इससे यह खराब भी हो सकता है। इस समस्या का सबसे अच्छा हल यह है कि आप एक नहीं बल्कि दो कंटेनर रखें। जब यह ठंडा हो जाए तो इसे एक बड़े जार में रख दें। हो सके तो आप बेल जार का इस्तेमाल करें और फिर इसे किसी ठंडी जगह पर रखें।

कंटेनर का मटेरियल

जिस कंटेनर में आप घी स्टोर कर रहे हैं उसका मटेरियल क्या है, यह बात भी बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसा इसलिए क्योंकि जार का मटेरियल भी गाय के घी की शेल्फ लाइफ को बढ़ा सकता है। अगर आप फ्रीजर में घी स्टोर कर रहे हैं तो आपको फ्रीजर सेफ प्लास्टिक कंटेनर का इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं अगर आप एक साथ ढेर सारा घी स्टॉक में रखना चाहते हैं तो आपके लिए ग्लास कंटेनर सबसे बढ़िया विकल्प है। रोजाना के इस्तेमाल के लिए आप स्टील कंटेनर खरीद सकते हैं।

साइकिलिंग इंटरवल्स करने वाले इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

साइकिलिंग इंटरवल्स एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।इसमें नियमित रूप से साइकिल चलाने से न केवल शरीर की चर्बी कम होती है, बल्कि हृदय और फेफड़ों की क्षमता भी बढ़ती है।साइकिलिंग इंटरवल्स यानी तेज और धीमी गति के बीच बदलाव करके साइकिल चलाना, हृदय स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह आपके शरीर को फिट रखने में भी मदद करता है।

वार्मअप करना है जरूरी

साइकिलिंग इंटरवल्स शुरू करने से पहले वार्मअप करना जरूरी होता है। इससे मांसपेशियों में रक्त संचार बढ़ता है और चोट लगने का खतरा कम हो जाता है।5-10 मिनट तक धीमी गति से साइकिल चलाएं ताकि शरीर तैयार हो सके। वार्मअप से शरीर की मांसपेशियां लचीली होती हैं।यह आपके शरीर को उच्च तीव्रता वाले अंतरालों के लिए तैयार करता है और आपको थकान से बचाता है। इस प्रकार वार्मअप आपके वर्कआउट का अहम हिस्सा होता है।

उच्च तीव्रता वाले अंतराल से चलाएं साइकिल

उच्च तीव्रता वाले अंतरालों में 1-2 मिनट तक तेज गति से साइकिल चलाना शामिल है। इस दौरान आपकी सांसें तेज हो जाती हैं और दिल की धड़कन बढ़ जाती है।यह आपके कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम को मजबूत बनाता है और कैलोरी जलाने में मदद करता है। इस प्रकार के अंतराल से आपकी सहनशक्ति भी बढ़ती है और मांसपेशियों की ताकत में सुधार होता है।यह आपके शरीर को बेहतर तरीके से ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करता है।

रिकवरी अंतराल को दें समय

उच्च तीव्रता वाले अंतरालों के बाद रिकवरी अंतराल आता है, जिसमें आप धीमी गति से 2-3 मिनट तक साइकिल चलाते हैं।यह आपके दिल की धड़कन को सामान्य करने में मदद करता है और अगले उच्च तीव्रता वाले अंतराल के लिए आपको तैयार करता है।इस दौरान आपके शरीर को आराम मिलता है और मांसपेशियों में संचित लैक्टिक एसिड कम होता है। यह प्रक्रिया आपके शरीर को स्थिरता प्रदान करती है और आपको थकान से बचाती है।

समय निर्धारित करना भी है महत्वपूर्ण

संपूर्ण वर्कआउट का समय लगभग 20-30 मिनट होना चाहिए, जिसमें वार्मअप, उच्च तीव्रता वाले अंतराल, रिकवरी अंतराल और कूल डाउन शामिल हों।वार्मअप से मांसपेशियां तैयार होती हैं, उच्च तीव्रता वाले अंतराल से सहनशक्ति बढ़ती है और रिकवरी अंतराल से शरीर को आराम मिलता है।कूल डाउन से मांसपेशियों को आराम मिलता है और दिल की धड़कन सामान्य होती है। इस तरह आपका शरीर थकान महसूस नहीं करेगा और आप लंबे समय तक इस रूटीन को फॉलो कर सकेंगे।

कूल डाउन जरूर हो

वर्कआउट खत्म करने के बाद कूल डाउन करना भी उतना ही जरूरी होता है, जितना कि वार्मअप करना।5-10 मिनट तक धीमी गति से साइकिल चलाएं ताकि आपकी मांसपेशियां आराम कर सकें और दिल की धड़कन सामान्य हो सके।इससे शरीर को ठंडा होने का समय मिलता है और मांसपेशियों में खिंचाव कम होता है।इस प्रकार नियमित रूप से साइकिलिंग इंटरवल्स करने से आपका हृदय स्वस्थ रहेगा और आप फिट रहेंगे।

महिला वैज्ञानिक ने खोजा कैंसर का इलाज, खुद के बनाए वायरस से स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर को हराया

क्रोएशिया की महिला वैज्ञानिक ने अपने द्वारा लैब में तैयार किए हुए एक वायरस की मदद से खुद के स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर का सफलतापूर्वक इलाज करके हर किसी को हैरान कर दिया है।

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है और इसके कई अलग अलग प्रकार हैं। ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में होने वाला एक आम कैंसर है। साल 2020 में दुनिया भर में करीब 68,500 लोगों की ब्रेस्ट कैंसर से मौत हो चुकी है। वहीं साल 2024 में अब तक केवल अमेरिका में लगभग 530 महिलाओं ने अपनी जान गंवाई है। हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि एक वैज्ञानिक ने लैब में बनाए अपने ही वायरस का उपयोग करके अपने ब्रेस्ट कैंसर का सफलतापूर्वक इलाज किया है।

49 वर्षीय वायरोलॉजिस्ट बीटा हैलासी को साल 2020 में अपने ब्रेस्ट कैंसर के बारे में पता चला था। ऐसे में बीटा ने अपना इलाज खुद ही करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने लैब में बनाए वायरस का इंजेक्शन लगाकर अपने स्तन कैंसर को ठीक कर लिया। माना जा रहा है कि पिछले चार सालों से वह कैंसरमुक्त हैं और एक स्वस्थ जीवन जी रही हैं। बीटा के इस प्रयोग के बाद बड़े बड़े वैज्ञानिकों के बीच यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

दूसरी बार हुआ कैंसर

क्रोएशिया में हैलासी जाग्रेब यूनिवर्सिटी में वायरोलॉजिस्ट हैं। नेचर जर्नल के अनुसार हैलासी को पहले भी मास्टेक्टोमी (एक या दोनों स्तन के पूरे या आंशिक भाग को हटाने की शल्य प्रक्रिया) की जगह पर कैंसर था जिसमें उनके बाएं स्तन को हटा दिया गया था। लेकिन साल 2020 में उन्हें फिर से उसी जगह कैंसर हो गया था।

खुद इलाज करने का लिया फैसला

स्टेज थ्री ब्रेस्ट कैंसरहोने के बाद हैलासी ने इस बार अपना इलाज खुद ही करने का फैसला लिया। उन्होंने कीमोथेरेपी की जगह दूसरा विकल्प चुना। यानी हैलासी ने इस पर अध्ययन कर ऑन्कोलिटिक वायरस थेरेपी (ओवीटी) की मदद से अपना इलाज किया और वह सफल भी रहीं।

ऑन्कोलिटिक वायरस थैरेपी

ऑन्कोलिटिक वायरस थेरेपी एक ऐसा वायरस है जो कैंसर कोशिकाओं को खत्म करता है। जब संक्रमित कैंसर सेल्स नष्ट हो जाती है तो बचे हुए ट्यूमर को खत्म करने में मदद के लिए नए संक्रामक वायरस कण या वायरियन जारी करते हैं। ओवीटी कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने के साथ इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाटी है।

ओवीटी के ज्यादातर क्लिनिकल ट्रायल अंतिम चरण के कैंसर रोगियों पर किए गए हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों से यह ट्रायल शुरुआती चरण के कैंसर रोगियों पर भी किया जा रहे हैं।

ऐसे किया इलाज

हैलासी ने सबसे पहले वायरस को सीधे ट्यूमर में इंजेक्ट किया। हालांकि इस प्रक्रिया के दौरान कैंसर एक्सपर्ट्स ने उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए रखी जिससे कोई समस्या होने पर उसे संभाला जा सके। हालांकि इलाज के दौरान कोई भी गंभीर साइड इफेक्ट नहीं हुआ औरट्यूमर का आकार भी कम हो गया। चूंकि ट्यूमर का आकार कम हो गया था इसलिए उसे छाती की मांसपेशियों और स्किन से आसानी से अलग कर दिया गया था।

बीटा ने कैंसर को खत्म करने के लिए कुल दो तरह के वायरस का इस्तेमाल किया था जिसमें एक खसरा वायरस और दूसरा वेसिकुलर स्टोमेटाइटिस वायरस था। यह दोनों ही वायरस पहले से ही कैंसर के इलाज में इस्तेमाल किए जा चुके हैं विशेष रूप से खसरा वायरस।

ब्रेस्ट कैंसर की रोकथाम का नया तरीका

हैलासी के इस प्रयोग के बाद ब्रेस्ट कैंसर को रोकने के लिए एक नई दिशा मिली है। हालांकि इस पर शोधकर्ताओं की प्रतिक्रियाएं भी अलग है। बीटा अपनी इस खोज को प्रकाशित करना चाहती थीं, लेकिन करीब दर्जन भर जर्नल्स ने उनके इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। उनके अनुसार इस रिजेक्शन का कारण उनके सहकर्मियों के साथ मिलकर लिखे गए शोधपत्र में सेल्फ एक्सपेरिमेंटेशन है।

प्रेग्नेंसी में क्यों बढ़ जाता है 10 किलो वजन, बेबी को दोष न दें

वजन बढ़ना गर्भावस्था का सामान्य हिस्सा है। बच्चे के हेल्दी डेवलपमेंट के लिए यह जरूरी भी है। गर्भ में बच्चे का वजन तो मात्र 2 से 3 किलो ही बढ़ता है, लेकिन गर्भवती का वजन 10 किलो कैसे बढ़ जाता है। एक्सपर्ट के अनुसार, इसमें केवल बच्चे का ही वजन नहीं, बल्कि कई चीजों का वजन शामिल होता है। आइए जानते हैं कौन-कौन सी चीजें गर्भावस्था में वजन बढ़ाती हैं।

गर्भावस्था में वजन बढ़ना सामान्य बात है। इस दौरान वजन बढ़ना इस बात का संकेत है कि बेबी की ग्रोथ ठीक से हो रही है। गर्भावस्था में हर महिला का वजन अलग- अलग तरह से बढ़ता है। ज्यादातर गर्भवती महिलाओं का वजन 10 किलो से 12 किलो के बीच बढ़ जाता है। वैसे हम सभी लोग बढ़ते वजन का दोष गर्भस्थ शिशु पर डालते हैं। लोगों का मानना है कि गर्भ में शिशु बढ़ता है, इसलिए वजन बढ़ता है। यह सच है पर पूरा नहीं।

फिटनेस ट्रेनर कृपा केडी ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि गर्भ में शिशु का वजन तो केवल 2 से 3 किलो होता है, लेकिन गर्भवती का वजन आखिर 10 किलो कैसे बढ़ जाता है। आइए जानते हैं उन कारणों के बारे में, जो प्रेग्नेंसी में गर्भवती का 10 किलो वजन बढ़ा देती हैं।

ब्लड की बढ़ी हुई मात्रा

एक्सपर्ट बताती हैं कि प्रेग्नेंसी में आपकी बॉडी में ब्लड की मात्रा बढ़ती है। इस दौरान शरीर एक्स्ट्रा ब्लड बनाता है। जिसका वजन 0.5 किग्रा से 1 किग्रा तक हो सकता है। यह बढ़ते भ्रूण का वजन बढ़ाने में भी मदद करता है।

एम्नियोटिक फ्लूड का वजन

गर्भवती का वजन एम्नियोटिक द्रव के कारण भी बढ़ता है। यह एक तरह का तरल पदार्थ है, तो गर्भावस्था के दौरान भ्रूण को चारों ओर से सुरक्षित रखता है। जैसे-जैसे बच्चा बढ़ता है, एम्नियोटिक फ्लूड की मात्रा भी बढ़ती है। बच्चे के आसपास एम्नियोटिक फ्लूड का वजन 0.5 से 1 किग्रा तक होता है।

प्लेसेंटा का वजन

प्लेसेंटा बच्चे को सुरक्षा और पोषण दोनों देता है। इसका काम बच्चे तक पर्याप्त ऑक्सीजन पहुंचाना भी है। गर्भावस्था के दौरान प्लेसेंटा का वजन भी बढ़ता है। इसका वजन 0.5 किग्रा से 1 किग्रा तक हो सकता है।

बढ़ा हुआ फ्लूड रिटेंशन

जब गर्भावस्था में शरीर में ज्यादा मात्रा में तरल पदार्थ बन जाता है तो उसे फ्लूड या वॉटर रिटेंशन कहते हैं। मेडिकल टर्म में इसे एडिमा भी कहा जाता है। इसके कारण शरीर में सूजन आ जाती है और इससे बॉडी का ओवरऑल वेट भी बढ़ जाता है।

मेटरनल टिश्यू ग्रोथ

एक्सपर्ट के अनुसार, प्रेग्नेंसी को सपोर्ट करने के लिए गर्भवती का शरीर फैट और मसल्स जमा करता है, जो वजनदार होते हैं। इसकी वजह से गर्भवती महिला का कई किलो वजन बढ़ सकता है।

पोस्ट ऑफिस बंपर स्कीम, 1 लाख जमा करने पर मिलेंगे 1,23,508 रुपए, रिस्क भी जीरो

पोस्ट ऑफिस की स्कीम ऐसे लोगों के लिए एक शानदार ऑप्शन है जो बिना किसी रिस्क के गारंटीड रिटर्न कमाना चाहते हैं। हम आपको एक ऐसे ही शानदार पोस्ट ऑफिस की स्कीम के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें 1 लाख रुपए लगाने पर 1 लाख 23 हजार तक का फंड तैयार किया जा सकता है।

अगर आप भी ऐसी योजना में निवेश करना चाहते हैं जहां आपका पैसा सुरक्षित भी रहे और साथ ही अच्छे ब्याज के साथ गारंटीड रटर्न भी मिले तो पोस्ट ऑफिस की बचत योजनाएं आपके लिए शानदार विकल्प हैं। इस बीच हम आपको पोस्ट ऑफिस की एक ऐसी स्कीम के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें आप 1 लाख रुपए लगाकर 1,23,508 का फंड बना सकते हैं। यानी आपको सीधे तौर पर 23,508 रुपये का फायदा मिलेगा वो भी बिना किसी रिस्क के। आइए इस धांसू स्कीम के बारे में जानते हैं और इसका पूरा कैलकुलेशन समझते हैं।

पोस्ट ऑफिस की टाइम डिपॉजिट स्कीम : बैंक की एफडी से बेहतर विकल्प

पोस्ट ऑफिस की टाइम डिपॉजिट स्कीम, बिलकुल बैंकों की एफडी की तरह काम करती है। इसमें आप एक तय समय के लिए पैसा जमा करते हैं और मैच्योरिटी पर तय ब्याज सहित पूरा पैसा वापस मिलता हैं। पोस्ट ऑफिस की एफडी स्कीम पर ब्याज दरें बैंकों से थोड़ी बेहतर होती हैं। इस स्कीम में 1 साल के लिए ब्याज दर 6.9%, 2 साल के लिए ब्याज दर 7.0%, 3 साल के लिए ब्याज दर 7.1% और 5 साल के लिए ब्याज दर 7.5% है।

3 साल की एफडी स्कीम पर मिलेगा इतना फायदा

अगर आप 3 साल के लिए पोस्ट ऑफिस एफडी में 1 लाख रुपये जमा करते हैं, तो 3 साल बाद आपको कुल 1,23,508 रुपये मिलेंगे। इसका मतलब है आपको 23,508 रुपये का फिक्स और गारंटीड ब्याज मिलेगा। यह एक दम सुरक्षित निवेश हैं।

पोस्ट ऑफिस टीडी स्कीम की खास बातें

इस स्कीम में 1000 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। इसमें निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है। इस स्कीम में आप सिंगल अकाउंट के साथ-साथ ज्वाइंट अकाउंट भी खोल सकते हैं। बैंकों में वरिष्ठ नागरिकों को कुछ एफडी पर ज्यादा ब्याज मिलता है, लेकिन पोस्ट ऑफिस में सभी ग्राहकों को एक समान ब्याज दर दी जाती है। जिससे हर कोई बराबरी का फायदा उठा सकता है।

8 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में हुआ इजाफा, रिलायंस को हुआ सबसे ज्यादा मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले सप्ताह शीर्ष-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 8 का संयुक्त बाजार मूल्यांकन 1.72 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ के साथ शीर्ष पर रही, जो घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के रुझान के अनुरूप था। दूसरी तरफ एचडीएफसी बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के मूल्यांकन में गिरावट आई है। शेयर बाजार की बात करें तो पिछले सप्ताह बीएसई बेंचमार्क 709.19 अंक या 0.87 प्रतिशत का उछल दर्ज हुआ है।

सबसे ज्यादा फायदा पाने वाली कंपनियां देखें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 48,107 करोड़ की वृद्धि की है, जिसके बाद इसका मूल्यांकन 19.07 लाख करोड़ रुपये हो गया। साथ ही हिंदुस्तान यूनिलीवर

का पूंजीकरण 34,280 करोड़, भारती एयरटेल का 33,899 करोड़ और बजाज फाइनेंस का 20,413 करोड़ रुपये बढ़ा है। इसी प्रकार इंफोसिस का पूंजीकरण 16,693 करोड़, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का 11,487.42 करोड़, आईसीआईसीआई बैंक का 6,443 करोड़ और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का 822.25 करोड़ रुपये बढ़ा है।

बाजार पूंजीकरण में गिरावट की बात करें तो एचडीएफसी बैंक का 20,040 करोड़ रुपये घटकर 15.08 करोड़ रुपये रह गया। दूसरी तरफ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 9,784 करोड़ रुपये घटकर 7.53 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सबसे मूल्यवान कंपनी का खिताब बरकरार रखा। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा है।

बिना आईटीआर भी मिल सकता है लोन, वैकल्पिक दस्तावेज और अच्छा क्रेडिट स्कोर बनेंगे सहारा

अगर आपके पास आयकर रिटर्न नहीं है तो भी आप लोन ले सकते हैं। बैंक सैलरी स्लिप, बैंक स्टेटमेंट या अन्य दस्तावेजों से आपकी आय का आकलन करते हैं। खासकर पर्सनल लोन के लिए आईटीआर जरूरी नहीं, बशर्ते क्रेडिट स्कोर अच्छा हो और आय स्थिर हो।

आप सस्ते ब्याज पर आसानी से कर्ज लेना चाहते हैं, तो बेहतर क्रेडिट स्कोर के साथ एक और चीज महत्वपूर्ण है। वह है आयकर रिटर्न। बैंक या अन्य कर्जदाता इसका इस्तेमाल आपकी कमाई और पुनर्भुगतान क्षमता के आकलन के लिए करते हैं। खासकर उच्च मूल्य या पर्सनल लोन जैसे असुरक्षित कर्ज के मामले में। ऐसे लोग भी हैं, जिनके पास आयकर रिटर्न (आईटीआर) नहीं होता। इनमें पहली बार कमाने वाले, गृहिणी, फ्रीलांसर, विदेश से लौटे एनआरआई और नकदी में वेतन पाने वाले लोग व अन्य हैं। ऐसे लोगों को कर्ज लेना मुश्किल होता है। लेकिन, कई विकल्प हैं, जिनके जरिये आईटीआर के बिना भी कर्ज ले सकते हैं।

वैकल्पिक आय प्रमाण दें

आईटीआर नहीं होने पर ऋणदाता वित्तीय स्थिति के आकलन के लिए सैलरी स्लिप, बैंक स्टेटमेंट, किराये की रसीदें या यूटिलिटी बिल जैसे अन्य विकल्प स्वीकार करते हैं। स्व-रोजगार करने वाले जीएसटी प्रमाणपत्र, टर्नओवर रिकॉर्ड या चालान साझा कर सकते हैं।

पर्सनल लोन के लिए आवेदन करें

पर्सनल लोन के लिए कोलैटरल की जरूरत नहीं होती है। क्रेडिट स्कोर अच्छा है और स्थिर

आय का प्रमाण है, तो बिना आईटीआर के भी पर्सनल लोन मिल सकता है। कुछ बैंक मौजूदा ग्राहकों को प्री-अप्रूव्ड लोन भी देते हैं।

सह-आवेदक को भी जोड़ सकते हैं

स्थिर आय व आईटीआर वाले सह-आवेदक के साथ आवेदन कर सकते हैं। ऋणदाता दोनों की आय देखते हैं। इससे आवेदन मंजूर हो सकता है। सह-आवेदक ऋणदाता को पुनर्भुगतान प्रोफाइल भी दे सकता है।

विशेष योजनाओं पर करें विचार

स्व-रोजगार करने वाले या दिहाड़ी कर्मचारी हमेशा आईटीआर नहीं भरते हैं। इनके लिए कुछ ऋणदाता विशेष योजनाएं चलाते हैं। इसके लिए बैंकों या एनबीएफसी से संपर्क कर सकते हैं।

गोल्ड लोन के बारे में जानें

गोल्ड लोन सबसे सुरक्षित ऋण विकल्पों में से एक है। इसके लिए हमेशा आईटीआर की जरूरत नहीं होती है। खासकर छोटी राशि के लिए। इसमें कर्जदाता सोने की शुद्धता और मूल्य का मूल्यांकन करते हैं। उसके आधार पर कर्ज देते हैं। वे बुनियादी केवाईसी दस्तावेज व पते का प्रमाण मांग सकते हैं।

बैंक से संबंधों का उठाएं लाभ

आप बैंक के पुराने ग्राहक हैं, तो आईटीआर के अभाव में कर्ज लेने के लिए रिलेशनशिप मैनेजर से बात करें। बैंक ऐसे ग्राहकों की अक्सर मदद करते हैं। एक मजबूत क्रेडिट स्कोर और खाते में नियमित लेनदेन आईटीआर की कमी की भरपाई कर सकता है।

पी2पी ऋण प्लेटफॉर्म की ले सकते हैं मदद

पीयर-टु-पीयर (पी2पी) ऋण प्लेटफॉर्म उधारकर्ताओं को सीधे कर्जदाताओं से जोड़ते हैं। वे अधिक दस्तावेज भी नहीं मांगते हैं। हमेशा आईटीआर पर जोर नहीं देते,अगर पुनर्भुगतान क्षमता का अन्य प्रमाण उपलब्ध हो। ऐसे प्लेटफॉर्म के जरिये कर्ज लेने से पहले यह जरूर देखें कि वह आरबीआई में पंजीकृत है या नहीं। ब्याज दर व जोखिम पर भी विचार कर सकते हैं। -आदिल शेट्टी, सीईओ, बैंक बाजार

पूरी ताकत झोंक दी...फिर भी हूती के कमांडरों को क्यों नहीं मार पाया इजराइल?

यरुशलम, एजेंसी। इजराइल के रडार पर अब हूती के लड़ाके हैं। रविवार (24 अगस्त) को इजराइल ने हूती लड़ाकों के खिलाफ एक बड़ा ऑपरेशन चलाया। इजराइल ने हूती के मिलिट्री चीफ और यमन के राष्ट्रपति को भी मारने की कोशिश की, लेकिन निशाना चूक गया। इतना ही नहीं, इजराइल के इस ऑपरेशन में आम नागरिकों की तो मौत हुई, लेकिन हूती का एक भी कमांडर नहीं मारा गया।

सवाल उठ रहा है कि पूरी ताकत झोंकने के बाद भी इजराइल हूती के लड़ाकों को क्यों नहां मार पाया? वो भी तब, जब ईरान जैसे देशों में इजराइल का ऑपरेशन सफल रहा है।

क्यों नहीं मार पाया इजराइल?

1- लैंग्वेज डिकोड करना मुश्किल- हूती के लड़ाके आम तौर पर अरबी भाषा की इस्तेमाल करते हैं। इजराइल डिफेंस फोर्स और उसके जासूस इसे डिकोड नहीं कर पा रहे हैं। हाल ही में इजराइल की सरकार ने सभी खुफिया अधिकारियों से अरबी भाषा को सीखने के लिए कहा है।

हूती के लड़ाके कोडवर्ड में बात करते हैं, जिसके कारण उसके गतिविधियों को मोसाद या सीआईए के अधिकारी आसानी से नहीं पकड़ पा रहे हैं। यही वजह है कि इजराइल पूरी तैयारियों के बावजूद हूती के बड़े लड़ाकों को नहीं मार पा रहा है।

2- अधूरी तैयारी एक वजह- ईरान और अन्य देशों में सफल ऑपरेशन चलाने के लिए इजराइल ने कई सालों तक तैयारी की थी। जासूसों का एक ब्रिगेड खड़ा किया था। यमन में अभी तैयारी की प्रक्रिया चल ही रही है।

अल अरबिया ने इजराइली सूत्रों के हवाले से बताया है कि मोसाद के जासूस अभी उन जगहों की लिस्ट तैयार कर रहे हैं, जो हूती के लिए अहम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल एक साथ इन ठिकानों पर हमला करेगा।

3- कमांडरों का पद पर न होना- ईरान और हमास में कमांडर और अन्य पदों पर आधिकारिक नियुक्ति की गई थी, जिसके कारण इजराइल डिफेंस फोर्स के अधिकारी हूती के कमांडरों का टारगेट किलिंग नहीं कर पा रहे हैं।

हूती के मिलिट्री चीफ अल हूती के अलावा किसी भी कमांडरों का कोई लेखा-जोखा नहीं है। हूती के सभी लोग एक जैसे हैं और पर्दे के पीछे से ऑपरेशन चलाते हैं। हूती के लड़ाके सिर्फ इजराइल पर मिसाइल दागते हैं।

हूती के 3 ठिकानों पर किया अटैक

हूती स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इजराइल ने रविवार को उसके 3 ठिकानों पर अटैक किया। पहला अटैक राष्ट्रपति भवन के पास किया। दूसरा अटैक सना के बिजलीघर पर किया गया। तीसरा अटैक ईंधन भंडारण सुविधा पर किया गया। इन हमलों में 6 लोगों को मारे जाने की खबर है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ऑपरेशन के बाद एक बयान में कहा- हूतियों को कीमत तो चुकानी पड़ेगी। हूती के विद्रोही बार-बार निर्दोष लोगों पर मिसाइल अटैक कर रहे हैं।

बांग्लादेश में बच्चियों के लिए दर्दनाक गुजर रहा 2025, 7 महीनों में रेप के मामले 75 फीसदी बढ़े

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में नाबालिग लड़कियों के लिए साल 2025 ठीक नहीं है। ढाका से जारी एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी से जुलाई 2025 तक बच्चियों के साथ यौन शोषण के 306 केस दर्ज किए गए हैं। यह साल 2024 के मुकाबले 75 प्रतिशत ज्यादा है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हाल ही में यह आरोप लगाया था कि बांग्लादेश में छोटी बच्चियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले बढ़े हैं।

एन ओ सलीश केंद्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि यौन उत्पीड़न के शिकार बच्चियों की उम्र ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठा दिए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 49 केस में बच्चियों की उम्र 0-6 के बीच है। 94 केस में बच्चियों की उम्र 7 से 12

साल के बीच है। 103 केस में बच्चियों की उम्र 13-18 के बीच है। 60 मामलों में उम्र का खुलासा नहीं हो पाया है।

मदरसा से लेकर सड़क तक असुरक्षित

रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी 2025 से जुलाई 2025 तक जो 22 केस दर्ज किए गए हैं, वो मदरसे या शिक्षण संस्थान में घटित हुई है। इसी तरह 49 केस सड़कों पर घटित हुई है। पुलिस ने जो रिपोर्ट दर्ज की है, उसके मुताबिक इन 49 केस में पहले बच्चियों का पीछा किया गया, उसके बाद उसे कहीं अज्ञात जगह पर ले जाकर यौन उत्पीड़न की घटना का अंजाम दिया गया।

इस रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि बच्चियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न केस में पुलिस सजा नहीं दिला पा रही है। 55 केस में तो शुरुआती केस ही खारिज हो गया। पुलिस इन बच्चियों को न्याय नहीं दिला पाई।

निशाने पर छोटी और दिव्यांग लड़कियां

बांग्लादेश में छोटी बच्चियों के साथ-साथ दिव्यांग लड़कियां भी निशाने पर है। इसी साल जून महीने में दिव्यांग लड़कियों के साथ रेप की 7 घटनाएं दर्ज की गई थी। मानवाधिकार आयोग ने इसे भयावह बताया था। बांग्लादेश पुलिस के मुताबिक साल 2014 से लेकर साल 2024 तक यानी पिछले 10 साल में छोटी-छोटी बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न के करीब 5600 केस दर्ज किए गए हैं। औसतन हर साल 560 केस। वहीं 2025 में जिस तरीके से छोटी बच्चियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आंकड़े सामने आ रहे है, उससे कहा जा रहा है कि यह रिकॉर्ड इस साल टूट सकता है।

भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम IADWS को देखकर चीन परेशान, ग्लोबल टाइम्स ने कहा- असली युद्ध में ताकत का पता चलेगा

बीजिंग। भारत ने रविवार को इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम (IADWS) का पहला सफल परीक्षण किया। IADWS ने अलग-अलग ऊंचाई और दूरी पर स्थित 3 टारगेट्स मार गिराए। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने इसे ओडिशा तट से लॉन्च किया था। यह सिस्टम पूरी तरह स्वदेशी है और कई परतों वाली हवाई सुरक्षा देता है। IADWS को लेकर चीन की टिप्पणी सामने आई है।

चीनी अखबार ग्लोबल टाइम्स में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, एक चीनी विशेषज्ञ ने कहा कि कम दूरी के डिफेंस सिस्टम में लेजर हथियार का समावेश बड़ी विशेषता है, लेकिन इसके उपयोगिता अभी सिद्ध होना बाकी है। चीन का कहना है कि पहले से तय परिस्थियों में किया गया परीक्षण असल स्थिति में पूरी तरह से

कारगर नहीं होता। दरअसल, चाइनीज हथियारों को लेकर जो बात दुनिया भर में कही जाती है, ग्लोबल टाइम्स वहीं बात इंडियन एयर डिफेंस के लिए कह रहा है।

IADWS में 3 आधुनिक हथियारों का समावेश

IADWS एक नई वायु रक्षा प्रणाली है, जिसमें 3 आधुनिक हथियार शामिल हैं। QRSAM (क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल), VSHORADS (वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम) और हाई पावर लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (DEW)।

इन्हें सेंट्रल कमांड सेंटर से कंट्रोल किया जाता है। टेस्ट के दौरान तीन अलग-अलग टारगेट्स को एक साथ निशाना बनाया गया। जिसमें दो हाई-स्पीड ड्रोन और एक मल्टी-कॉप्टर ड्रोन शामिल है। तीनों टारगेट्स को QRSAM, VSHORADS और लेजर हथियार से तुरंत मार गिराया।

चीन ने कहा- मारक क्षमता सीमित, लेकिन लेजर सिस्टम की तारीफ की

बीजिंग स्थित एयरोस्पेस नॉलेज मैग्जीन के चीफ एडिटर वांग यानान ने सोमवार को ग्लोबल टाइम्स को बताया कि IADWS को ड्रोन, क्रूज मिसाइल, हेलिकॉप्टर और कम ऊंचाई वाले विमानों को टारगेट करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह कम और मध्यम ऊंचाई वाले लक्ष्यों को निशाना बना सकती है, लेकिन इसकी मारक क्षमता सीमित है।

हालांकि वांग ने ये भी कहा कि कुछ ही देश हैं जिन्होंने कॉम्बैट रेडी लेजर सिस्टम बनाने में सफलता हासिल की है। IADWS की तीन परतों मेंसे QRSAM और VSHORADS तकनीकी रूप से नई नहीं हैं, लेकिन लेजर सिस्टम को वास्तव में अहम डेवलपमेंट माना जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने परीक्षण पर बधाई दी थी

ओडिशा में हुए सफल परीक्षण के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने DRDO और सशस्त्र बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि IADWS दुश्मन के हवाई खतरों से देश के महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा को मजबूत करेगा।

भारी बारिश ने मचाई तबाही... सड़कें बहने से कई मार्गों से संपर्क टूटा, स्कूल और टायलेट कांप्लेक्स जमींदोज

कठुआ। जिलाभर में बारिश ने फिर तबाही मचाई है। दर्जनों कच्चे मकानों को बारिश और बाढ़ से नुकसान की जानकारी जहां सामने आ रही है वहीं पूरे जिले में सबसे ज्यादा नुकसान सड़क नेटवर्क को पहुंचा है। जिला मुख्यालय कठुआ का सभी सब डिवीजनों से सीधा संपर्क कट चुका है। जम्मू पठानकोट नेशनल हाईवे के पैरलल चलने वाले सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण धार सड़क तक पहुंचाने वाले लखनपुर महानपुर और दियालाचक छलां मार्ग बंद हैं। उधर, सीमावर्ती इलाकों से सांबा तक जोड़ने वाला ओल्ड सांबा कठुआ भी बंद हो गया है। महानपुर का बसोहली से तो वहीं बसोहली का बनी से संपर्क कट चुका है।

शनिवार देर रात से जारी मूसलाधार बारिश के चलते जिले के सभी नदी नाले उफान पर आ गए हैं। बनी में सेवा, कठुआ में उज्ज, सहार और मग्गर खड्ड उफान पर रहे। हीरानगर में तरनाह का जलस्तर पर उफान पर दिखा। तरनाह का जलस्तर सुबह आठ बजे तीन फीट को पार कर

दिया इसके बाद शाम तक दो फीट का बहाल तरनाह में दर्ज किया गया।

उज्ज दरिया में भी बाढ़ से जनजीवन प्रभावित हुआ। सुबह नौ बजे खतरे के निशान और फिर इसके बाद दोपहर दो बजे ग्रामीण इलाकों को खाली करवाने के लिए एक लाख 44 हजार के स्तर को भी पार कर गया। लोगों को अलर्ट करने के बीच जलस्तर एक बार फिर कम होना शुरू हुआ, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। सहार और मग्गर खड्ड दिन भी उफान पर रहे। दोनों ओर भारी तबाही मचाई। मग्गर खड्ड गुज्जर बस्ती में जहां कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचा है। वहीं सहार ने शेरपुर खड्ड की सड़क और नहर को बुरी तरह से क्षति पहुंचाई है।जिले के बिलावर, बसोहली, बनी के इलाकों में मकानों का आंशिक नुकसान की जानकारी आई है। प्रशासन नुकसान के आकलन में जुट गया है। फिलहाल सबसे ज्यादा जरूरी सड़क नेटवर्क को दुरूस्त माना जा रहा है।

टिकरी मोड़ के पास बनी बसोहली सड़क का लगभग 50 मीटर हिस्सा खाई में लुढ़का

रविवार दोपहर बनी बसोहली मार्ग टिकरी मोड़ के पास भूस्खलन की चपेट में आ गया। देखते ही देखते सड़क पर दरारें उभरें और धीरे धीरे सड़क का 50 मीटर हिस्सा खाई में गिर गया। इससे बनी और बसोहली के बीच सड़क संपर्क भंग हो गया।

उधर महानपुर और बसोहली के बीच दन्नी में क्षतिग्रस्त हुई सड़क को बहाल किए अभी दो दिन भी नहीं गुजरे थे कि एक बार फिर सड़क को नुकसान पहुंचा है। ऐसे में यातायात प्रभावित हो गया। उधर लखनपुर से महानपुर के बीच जगह जगह पस्सियां गिरने और भूस्खलन के चलते यात्री वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से ठप रही। बिलावर दियालाचक मार्ग पर छोटे वाहनों को आवाजाही की अनुमति दिए जाने के कुछ दिन के भीतर ही फिर से मार्ग ठप हो गया है।

रंजीत सागर झील का जलस्तर खतरे के निशान को पार करने जा रहा है। 527 फीट के पैमाने के मुकाबले रविवार को हुई भारी बारिश के बाद झील का जलस्तर डेढ़ फुट और बढ़ गया है। शाम छह बजे के लगभग ही खतरे की घंटे बजाते हुए यह 526 फुट को पार कर गया था।

ऐसे में लगातार पहाड़ी इलाको से रावी में बढ़ रहे जलस्तर को देखते हुए सोमवार सुबह तक जलस्तर खतरे के निशान के पार होने की संभावना है।एडीसी बसोहली पंकज भगोत्रा ने बताया लोगों को सुरक्षित जगह भेजा जा रहा है।

'दिव्यांगों का मजाक उड़ाने पर अल्लाहबादिया और समय मांगें माफी' ; सरकार को गाइडलाइन बनाने का 'सुप्रीम' आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कॉमेडियन्स और यूट्यूबर्स को सख्त निर्देश देते हुए दिव्यांगों पर आपत्तिजनक कंटेंट ना बनाने की हिदायत दी है। कोर्ट ने कहा है कि अगर ऐसा कोई कंटेंट बनाया गया है तो तुंरत इसके लिए माफी मांगी जाए। स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना के मामले से जोड़ते हुए कोर्ट ने कहा है कि अगर ऐसा कभी भी हुआ तो यूट्यूबर्स और इन्फलुएंसर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको प्वाइंटर्स में बताते हैं एससी ने क्या कुछ कहा।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने समय रैना समेत सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को आदेश दिया है कि वो दिव्यांगों का मजाक उड़ाने के लिए अपने पॉडकास्ट और कार्यक्रमों में सार्वजनिक माफी मांगें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिव्यांगों का अपमान करने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा, चाहे वो सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ही क्यों न हों।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसे बयानों और कंटेंट पर रोक लगाने के लिए स्पष्ट गाइडलाइंस बनाई जाएं, जिनमें दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और वरिष्ठ नागरिकों का मजाक उड़ाया जाता है या उन्हें नीचा दिखाया जाता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया के लिए नियम बनाते समय जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाना चाहिए, बल्कि सभी पक्षों की राय लेकर व्यापक ढांचा तैयार किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार किसी भी ऐसे कमर्शियल कंटेंट पर लागू नहीं हो सकता, जिससे किसी समुदाय की भावनाएं आहत हों।

इसके साथ ही कोर्ट ने 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो के होस्ट समय रैना की माफी पर नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन्होंने पहले खुद का बचाव करने की कोशिश की थी, फिर माफी मांगी।

दिव्यांगों पर तंज महंगा पड़ेगा

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि दिव्यांगों का अपमान करने वाले इन्फ्लुएंसर्स पर आर्थिक दंड भी लगाया जाएगा। कोर्ट ने टिप्पणी की कि आज के दौर में जब अभिव्यक्ति का माध्यम व्यावसायिक लाभ से जुड़ा है, तो जिम्मेदारी भी उतनी ही अधिक बढ़ जाती है।

समय रैना पर क्या हैं आरोप?

कॉमेडियन समय रैना पर आरोप है कि उन्होंने अपने दो वीडियोज में रीढ़ की हड्डी की गंभीर बीमारी 'स्पाइनल मस्क्युलर एट्रोफी' से पीड़ित मरीजों पर असंवेदनशील टिप्पणियां कीं और नेत्रहीन और भेंगापन झेल रहे लोगों का भी मजाक उड़ाया। एक फाउंडेशन ने इस पर शिकायत दर्ज कराई और अदालत से अपील की कि दिव्यांगों के लिए विशेष सुरक्षा प्रावधान बनाए जाएं। संस्था ने कहा कि यह कुछ वीडियोज ही नहीं, बल्कि एक बड़ी प्रवृत्ति है, जिसमें दिव्यांगों को हंसी-मजाक का विषय बना दिया जाता है।

इन्फ्लुएंसर्स को हलफनामा देना होगा

सुप्रीम कोर्ट ने इन्फ्लुएंसर्स से कहा कि वो हलफनामा दाखिल करें, जिसमें यह बताया जाए कि वो अपने प्लेटफॉर्म का उपयोग दिव्यांगजनों के अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाने में कैसे करेंगे। साथ ही कोर्ट ने साफ किया कि फिलहाल इन्फ्लुएंसर्स को हर सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से मौजूद होने की जरूरत नहीं है, बशर्ते वो दिए गए निर्देशों का पालन करें।

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंदे' का ट्रेलर जारी, इस दिन रिलीज होगी फिल्म

सोमवार को निर्माताओं ने मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंदे' का रिलीज जारी कर दिया है। इसमें अभिनेता एक्शन के साथ-साथ कॉमेडी अंदाज में भी दिख रहे हैं।

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता मनोज बाजपेयी इस बार पुलिस के किरदार में दर्शकों के बीच आने वाले हैं। उनकी आगामी फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंदे' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज तारीख का भी एलान कर दिया है। आइए जानते हैं कैसा है फिल्म का ट्रेलर और इसे कहां और कब देख सकेंगे आप।

सच्ची कहानी से प्रेरित है फिल्म

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंदे' सच्ची कहानी से प्रेरित है, जिसका ट्रेलर जारी हो गया है। 2 मिनट 32 सेकेंट के ट्रेलर में दिखाया जाता है कि कैसे एक आम पुलिस अधिकारी, असंभव से दिखने वाले केस को अपने हिम्मत और जुगाड़ से सुलझाने के प्रयास करता है। ट्रेलर देख यह कहा जा सकता है कि फिल्म में आपको एक्सन-कॉमेडी दोनों का भरपूर तड़का देखने को मिलेगा।

मनोज बाजपेयी बोले- प्रेरणादायक कहानी है

मनोज बाजपेयी ने इंस्पेक्टर जेंदे फिल्म को लेकर कहा, 'इंस्पेक्टर जेंद की जो बात मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित करती है, वह यह है कि वो कभी प्रसिद्धि के पीछे नहीं भागा। वे बस अपना काम कर रहा था, फिर भी उसने सबसे कुख्यात अपराधियों में से एक को दो बार पकड़ा। उसकी बहादुरी, हास्य और मुंबई का अनोखा अंदाज उसकी यात्रा को वाकई प्रेरणादायक बनाता है। उनसे मिलना ऐसा लगा जैसे मैं किसी कहानी की किताब में कदम रख रहा हूं, जहां जिंदगी भर की कहानियां हैं। उनका किरदार निभाने से मुझे एक ऐसी दुनिया में गोता लगाने का मौका मिला जो जितनी मनोरंजक है उतनी ही कठिन भी। ट्रेलर तो बस एक झलक है, फिल्म आपको सीधे उसके केंद्र में ले जाती है। मुझे खुशी है कि उनकी कहानी को आखिरकार वह प्रसिद्धि मिल रही है जिसकी वो हकदार हैं।'

कब और कहां रिलीज होगी फिल्म?

चिन्मय डी. मंडलेकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 5 सितंबर को रिलीज की जाएगी। वहीं इसे जय शेवक्रमणी और ओम राउत द्वारा निर्मित किया गया है।

तमन्ना भाटिया इन 5 फिल्मों से करेंगी राज, एक पर एकता कपूर लगाएंगी बड़ा दांव

तमन्ना भाटिया न सिर्फ साउथ, बल्कि बॉलीवुड में भी लोकप्रिय हैं। भले ही हिंदी फिल्मों में उनकी दाल न गली हो, लेकिन अपनी खूबसूरती और डांस से वह हिंदी भाषी दर्शकों को भी अपना दीवाना बनाने में सफल रही हैं। स्त्री 2 के गाने आज की रात से तमन्ना ने इंटरनेट पर खूब तहलका मचाया। तमन्ना की कई फिल्में दर्शकों के बीच आएंगी। पिछली बार ओडेला 2 में शिवभक्त बनीं तमन्ना की कौन-सी फिल्में आने वाली हैं, आइए जानते हैं।

एकता कपूर की हॉरर फ्रेंचाइची रागिनी एमएमएस बहुत लोकप्रिय है। अब इस फ्रेंचाइजी में तमन्ना की एंट्री हो गई है। रागिनी एमएमएस 3 में वह लीड रोल निभाएंगी। ऐसी खबरें हैं कि एकता तीसरी किस्त को फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म बनाना चाहती हैं और इस पर मोटा पैसा भी लगाएंगी। एकता ने जब तमन्ना को इसकी कहानी सुनाई तो वो इस तरह की हॉरर थीम सुनकर हैरान रह गईं। ये फिल्म हॉरर-कॉमेडी फॉर्मेट पर आधारित होगी।

तमन्ना की आने वाली फिल्मों में रोमियो भी शामिल है। इसमें उनकी जोड़ी पहली बार अभिनेता शाहिद कपूर के साथ बनने वाली है। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म होगी, जो इस साल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों का रुख करेगी। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर और रणदीप हुड्डा भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म पर साजिद नाडियाडवाला पैसा लगा रहे हैं। रिलीज से पहले इसका प्रचार भी जोर-शोर से होगा।

तमन्ना को रेंजर में भी अहम भूमिका में देखा जाएगा। इस फिल्म के हीरो अजय देवगन हैं, जो तमन्ना के साथ दूसरी बार काम कर रहे हैं। पहली बार उन्होंने साजिद खान की फिल्म हिम्मतवाला में काम किया था, जो सुपरफ्लॉप रही थी। रेंजर का निर्देशन जगन शक्ति कर रहे हैं, जिन्होंने अक्षय कुमार की सफल फिल्म मिशन मंगल का निर्देशन किया था। संजय दत्त इस फिल्म में विलेन बने हैं, जो पहली बार पर्दे पर अजय से भिड़ते दिखेंगे।

तमन्ना जल्द ही निर्देशक रोहित शेट्टी की फिल्म में दिखाई देंगी, जिसमें उनकी जोड़ीदार जॉन अब्राहम होंगे, जिनके साथ उन्हें पहले फिल्म वेदा में देखा गया था। यह फिल्म पूर्व पुलिस आयुक्त राकेश मारिया की बायोपिक है, जिसमें तमन्ना उनकी पत्नी प्रीति मारिया का किरदार निभाएंगी। उधर एकता कपूर की फिल्म वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में तमन्ना अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह फिल्म 15 मई, 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अनुराग कश्यप की निशांची का पहला गाना डियर कंट्री हुआ रिलीज, 19 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म

भारतीय सिनेमा के मशहूर निर्देशक और अभिनेता अनुराग कश्यप फिल्म निशांची लेकर आ रहे हैं, जिसका दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। अब निर्माताओं ने निशांची का पहला गाना डियर कंट्री जारी कर दिया है, जिसे विजय लाल यादव ने अपनी आवाज दी है।

अनुराग ने लिखा, सुनो, देखो, बजाओ, और दिल से बोलो... हमें अपने प्यारे देश के लिए हमेशा मरने के लिए तैयार रहना चाहिए। निशांची 19 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिका पनवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब, पीयूष मिश्रा, मनन भारद्वाज, वरुण ग्रोवर और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म का नया पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें ऐश्वर्य और वेदिका समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है।

डियर कंट्री गाना बनाने के अपने अनुभव को बताते हुए, ध्रुव घाणेकर ने कहा, हमारा सोच आसान था, जैसे ही आप इसे सुनो, गाँव की बात समझ आ जाए। हमने पुरानी धुन से शुरुआत की, फिर उसमें देसी और टूटी-फूटी अंग्रेज़ी वाले बोल जोड़े, जो छोटे शहरों की बातों जैसे सीधे दिल से निकलते हैं। मुझे पूरी आज़ादी मिली कि मैं निशानची की कहानी की मस्ती और दिल को मिलाकर गाना बना सकूं। अनुराग की फिल्मों का हमेशा अलग सा संगीत होता है, इसलिए मैं कुछ नया और अलग करना चाहता था। 'डियर कंट्री' मज़ेदार, थोड़ा हटकर, जड़ों से जुड़ा और बिलकुल असली लगता है।

अनुराग कश्यप ने निशानची फिल्म बनाई है, जिसे अजाय राय और रंजन सिंह ने जार पिक्चर्स और फ्लिप फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म की कहानी प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने लिखी है। यह फिल्म दो भाइयों के मुश्किल रिश्ते की कहानी है, जो अलग-अलग रास्ते चलते हैं और उनके फैसले उनकी ज़िंदगी कैसे बदलते हैं, यह दिखाती है। फिल्म में नए कलाकार ऐश्वर्य ठाकरे दो अहम रोल में हैं, साथ ही वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म 19 सितंबर को पूरे देश के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com